

रोहिणी इलाके की घटना : पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

700 रुपये के झगड़े में व्यक्ति को चाकू घोंपकर उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

रोहिणी इलाके में 700 रुपये की उधारी को लेकर हुए झगड़े में 30 वर्षीय एक व्यक्ति को चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मुकेश यादव के तौर पर हुई है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक आरोपी पर चोरी के 10 मामले दर्ज पाये गये। जांच में पता चला कि मृतक के भाई ने मुख्य आरोपी से पैसे उधार लिए थे। बेगमपुर थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है।



पुलिस के अनुसार मुकेश यादव को रविवार को बेगमपुर विहार के पास चाकू से गोदा गया

था। उसे अग्रसेन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में हालत बिगड़ने पर एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर

किया गया था। सोमवार तड़के करीब 2-18 बजे उसने दम तोड़ दिया। मुकेश के भाई सतीश ने पुलिस को बताया कि आरोपी सचिन उर्फ सागर (29) है। उससे 700 रुपये उधार लिए थे। सचिन इलाके का बीसी है और ई रिक्शा चलाता है। वह अपने रुपये वापस मांग रहा था, लेकिन सतीश ने पैसे नहीं लौटाए। रविवार को सचिन ने फिर से पैसे की मांग की, जिसे लेकर झगड़ा हो गया। हंगामा सुनकर मुकेश ने हस्तक्षेप किया और अपने भाई का बचाव करने की कोशिश की। झगड़े के दौरान

सचिन ने मुकेश को चाकू मार दिया, जिससे उसके दाहिने कंधे पर गंभीर चोट लगी।

बेगमपुर थाने में मामला दर्ज कर तीन संदिग्धों की पहचान की गई और अलग-अलग होटलों व लॉज में छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। सचिन के अलावा एक अन्य ई रिक्शा चालक पंकज उर्फ भूरा (23) और एक ऑटो चालक अभिषेक उर्फ अटल (22) को गिरफ्तार किया गया है। पंकज और अभिषेक की पहले से कोई अपराधिक संपत्तता नहीं मिली।

चीनी मांझे की 45 चरखियों के साथ पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

अवैध मुनाफे के चक्कर में कुछ लोग चीनी मांझे की ब्रिकी करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही पांच लोगों को पुलिस ने दबोचा है। इनसे प्रतिबंधित मांझे की 45 चरखियां बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार पुरानी दिल्ली के मौना बाजार में उर्दू पार्क के पास 34 वर्षीय मोहम्मद रिजवान के पास से दो चरखियां बरामद की गईं, जबकि हौज काजी में एक्सलर सिनेमा के निकट 20 वर्षीय मोहम्मद अजीम से 29 चरखियां जब्त की



गई। एक अन्य आरोपी 50 वर्षीय मोहम्मद शमीम को हिम्मतगढ़ इलाके में फाजिल रोड के पास से तीन चरखियां के साथ पकड़ा गया।

पुलिस ने 46 वर्षीय अब्दुल कलाम के पास से भी नौ चरखियां बरामद कीं, जो कथित तौर पर अजमेरी गेट की एक दुकान से मांझा बेच रहा था। तक्रिया काले खां के पास 37 वर्षीय आरिफ के पास से दो और चरखियां जब्त की गईं। इस बाबत अलग अलग मामले दर्ज कर लिए गए हैं और आगे की जांच जारी है। पूछताछ के दौरान शमीम ने खुलासा किया कि उसने प्रतिबंधित मांझा सदर बाजार से खरीदा था। पुलिस प्रतिबंधित मांझे के स्रोत और आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

4.75 लाख की टगी का आरोपी ओडिशा से दबोचा



शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश के बहाने लोगों को लगाया था चूना

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

शाहदरा पुलिस ने शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश के बहाने 4.75 लाख रुपये की ठगी करने के आरोपी को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। आरोपी शख्स का नाम भुवनेश्वर निवासी सुब्रत कुमार साहू (33) बताया गया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता दिल्ली का रहने वाला था। उसे सोशल मीडिया पर एक ग्रुप में जोड़ा गया था, जहां आरोपी और उसके साथियों ने खुद को शेयर बाजार विशेषज्ञ के रूप में पेश किया और मोटे मुनाफे का वादा करके उसे पैसा निवेश करने के लिए प्रेरित किया था।

डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मोणा के अनुसार ठगी ने शुरू में शिकायतकर्ता का विश्वास हासिल करने के लिए एक निवेश मंच पर नकली मुनाफा दिखाया, जिसके

बाद उसने ऑनलाइन माध्यम से 4.75 लाख रुपये ट्रांसफर किये थे। पीड़ित ने जब मुनाफा वापस लेने की कोशिश की, तो आरोपियों ने प्रक्रिया और निकासी शुल्क के रूप में 12 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की। तब पीड़ित को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है और उसने पुलिस से संपर्क किया। जांच से पता चला कि ठगी गई राशि में से लगभग 3.75 लाख रुपये एक कॉर्पोरेट बैंक खाते में भेजे गये थे, जो साहू और एक अन्य आरोपी से जुड़ा था। खाते में दो महीनों में लगभग 2.97 करोड़ रुपये आए और यह पूरे भारत में दर्ज साइबर धोखाधड़ी की 17 शिकायतों से जुड़ा पाया गया। पुलिस ने कहा कि साहू ने संदिग्ध लेनदेन की सुविधा के लिए कॉर्पोरेट और बचत खातों सहित लगभग सात बैंक खातों की व्यवस्था की थी।

टाटा पावर की तारों से दूर प्रतंगबाजी करने की अपील

नई दिल्ली। निजी बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर डीडीएल ने प्रतंगबाजी व बारिश के इस सीजन में प्रतंगबाजी से कुछ सावधानियां बरतने की अपील की है। कंपनी का कहना है कि आने वाले स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के चलते दिल्ली में भारी मात्रा में प्रतंगबाजी होती है। ऐसे में बिजली की तारों, पोल आदि से संभावित खतरों से बचने के लिए इनसे उचित दूरी बनाना बेहद जरूरी है। कंपनी ने कहा कि प्रतंगबाजी के दौरान सुरक्षा संबंधी कुछ सावधानियों का पालन करके बिजली के करंट आदि के खतरों से बचा जा सकता है। इनमें मुख्यरूप से ओवरहेड पावर लाइनों और इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस से सुरक्षित दूरी पर प्रतंगबाजी करना, मेटल कॉटिंग या चाइनीज मांझे का प्रयोग मूलतः कर नहीं करना क्योंकि इसकी वजह से पावर लाइनें टूट सकती हैं और बिजली संबंधी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है, बिजली की तारों में पतंग फँस जाए, तो उसे निकालने का खतरा मौल न लें।

सोने के आभूषण ठगने वाली महिला गिरफ्तार



लिफ राजी कर लिया। बुजुर्ग महिला ने अपने आभूषण उसे दे दिए और नोटों की गड़्ढी ले ली। बाद में जांच करने पर पाया कि नोटों की गड़्ढी नकली थी। लेकिन जब तक यह पता चला आरोपी महिला और बच्चा मौके से फरार हो चुके थे। इस संबंध में 30 जुलाई को मुंडका थाने में मामला दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज की जांच और लोकल इंटेलीजेंस के आधार पर नौ अगस्त को रघुबीर नगर इलाके से आरोपी महिला को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि इस अपराध में टीसी कैप निवासी पूजा नामक एक अन्य महिला भी शामिल थी। उसी के पास चोरी के आभूषण है। दूसरी महिला के ठिकाने पर छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार मिला। पुलिस उसे गिरफ्तार करने और आभूषण बरामद करने का प्रयास कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

मध्य जिले की साइबर पुलिस ने मोबाइल चोरी कर उनसे जुड़े बैंक खातों से पैसे उड़ाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में कुल नौ लोगों को राजस्थान और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। इनसे 52 मोबाइल फोन, 70 डेबिट कार्ड, 145 सिम कार्ड, 13 पासबुक, छह पीओएस मशीनें, चार लैपटॉप, दो टैबलेट कंप्यूटर, चार हाई स्पीड इंटरनेट राउटर और चार लाख रुपये नकद जब्त किए गये।

पुलिस के अनुसार 88 वर्षीय बुजुर्ग के चोरी हुए मोबाइल फोन से पैसे निकालने के मामले की

जांच के दौरान पुलिस इस अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट तक पहुंची। दरअसल पश्चिम पटेल नगर के रहने वाले एक वरिष्ठ नागरिक ने 19 मई को अपना मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। दो दिन बाद फिर से सिम कार्ड जारी कराने के बाद उन्हें संदेश मिला कि अनधिकृत लेनदेन के जरिए उनके बैंक खाते से 70 हजार रुपये की राशि निकाल ली गई है। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन पर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी

जिसके बाद 23 जुलाई को एक एफआईआर साइबर थाने में दर्ज की गई। जांच से पुलिस को

काम करने वाले इंद्रपुरी निवासी त्रिलोकी शर्मा ने 1.96 करोड़ की रकम का गबन किया है। नौकरी के दौरान आरोपी ने यह रकम अपने व परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। शिकायत के बाद समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। अपराध सामने आने के

काम करने वाले इंद्रपुरी निवासी त्रिलोकी शर्मा ने 1.96 करोड़ की रकम का गबन किया है। नौकरी के दौरान आरोपी ने यह रकम अपने व परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। शिकायत के बाद समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। अपराध सामने आने के

चोरी के मोबाइल से करते थे अकाउंट खाली, नौ अरेस्ट



हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

मध्य जिले की साइबर पुलिस ने मोबाइल चोरी कर उनसे जुड़े बैंक खातों से पैसे उड़ाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में कुल नौ लोगों को राजस्थान और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। इनसे 52 मोबाइल फोन, 70 डेबिट कार्ड, 145 सिम कार्ड, 13 पासबुक, छह पीओएस मशीनें, चार लैपटॉप, दो टैबलेट कंप्यूटर, चार हाई स्पीड इंटरनेट राउटर और चार लाख रुपये नकद जब्त किए गये।

पुलिस के अनुसार 88 वर्षीय बुजुर्ग के चोरी हुए मोबाइल फोन से पैसे निकालने के मामले की

जांच के दौरान पुलिस इस अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट तक पहुंची। दरअसल पश्चिम पटेल नगर के रहने वाले एक वरिष्ठ नागरिक ने 19 मई को अपना मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। दो दिन बाद फिर से सिम कार्ड जारी कराने के बाद उन्हें संदेश मिला कि अनधिकृत लेनदेन के जरिए उनके बैंक खाते से 70 हजार रुपये की राशि निकाल ली गई है। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन पर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी

जिसके बाद 23 जुलाई को एक एफआईआर साइबर थाने में दर्ज की गई। जांच से पुलिस को

काम करने वाले इंद्रपुरी निवासी त्रिलोकी शर्मा ने 1.96 करोड़ की रकम का गबन किया है। नौकरी के दौरान आरोपी ने यह रकम अपने व परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। शिकायत के बाद समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। अपराध सामने आने के

काम करने वाले इंद्रपुरी निवासी त्रिलोकी शर्मा ने 1.96 करोड़ की रकम का गबन किया है। नौकरी के दौरान आरोपी ने यह रकम अपने व परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। शिकायत के बाद समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। अपराध सामने आने के

जयपुर, मेरठ और गाजियाबाद में फैले अंतरराज्यीय ठगी के नेटवर्क का पता चला।

पुलिस टीम ने जयपुर के झोटवाड़ा स्थित एक आवासीय परिसर पर छापा मारा और मुख्य आरोपी निखिल सोनी (26) को उसके चार सहयोगियों अभिषेक कुमार झा, आनंद साह सोनार, प्रिंस साह सोनार और बिषेक कुमार झा के साथ गिरफ्तार किया। छापेमारी में कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था का भंडाफोड़ हुआ जिसमें लैपटॉप, टैबलेट, राउटर, पासबुक और पीड़ितों के डेटा व लेनदेन के विवरण वाली डायरियां मिली।

साथ में चार लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए। एक अन्य टीम ने मेरठ और गाजियाबाद में छापेमारी की तथा 'म्यूट' खातों उपलब्ध कराने वाले अमर जाटव, हर्ष, मोहन और वासु को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि डिजिटल उपकरणों की फोरेंसिक जांच जारी है। अब तक विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 19 शिकायतों में इस गिरोह की संलिप्तता का पता चला है।

काम करने वाले इंद्रपुरी निवासी त्रिलोकी शर्मा ने 1.96 करोड़ की रकम का गबन किया है। नौकरी के दौरान आरोपी ने यह रकम अपने व परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। शिकायत के बाद समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। अपराध सामने आने के

काम करने वाले इंद्रपुरी निवासी त्रिलोकी शर्मा ने 1.96 करोड़ की रकम का गबन किया है। नौकरी के दौरान आरोपी ने यह रकम अपने व परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की थी। शिकायत के बाद समयपुर बादली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। अपराध सामने आने के

बाद आरोपी फरार हो गया था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए नॉर्दर्न रेंज के ज्वाइंट सीपी विजय कुमार के निर्देशों पर एक खास टीम बनाई गई। जांच के दौरान पुलिस ने पैसें के लेनदेन की बारीकी से जांच की और लगातार तकनीकी निगरानी में जुटी रही। लगातार कोशिशों और

बाद आरोपी फरार हो गया था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए नॉर्दर्न रेंज के ज्वाइंट सीपी विजय कुमार के निर्देशों पर एक खास टीम बनाई गई। जांच के दौरान पुलिस ने पैसें के लेनदेन की बारीकी से जांच की और लगातार तकनीकी निगरानी में जुटी रही। लगातार कोशिशों और

लगभग तीन साल की लंबी खोजबीन के बाद त्रिलोकी का पता सांबा, जम्मू में चला। स्थानीय पुलिस की मदद से उसे इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्ट्री से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने कबूला कि वह जुए का शौक रखता था। उसने क्रिकेट मैचों पर कई बार सट्टा लगाया और हारा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82(2)(ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)
मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **कमल कुमार जैन पुत्र विक्रम जैन निवासी शुक्र बाजार जेल के पीछे, हर्ष विहार, दिल्ली** ने एफआईआर सं./सीसी नं. 29042/21, अन्तर्गत धारा 379/41 आईपीसी, थाना **भजनपुरा, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कमल कुमार जैन** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कमल कुमार जैन** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं./सीसी नं. 29042/21, अन्तर्गत धारा 379/41 आईपीसी, थाना **भजनपुरा, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **कमल कुमार जैन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 10.09.2026 को प्रातः 10:00 बजे या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री किरणदीप कौर
न्यायिक न्यायधीश, प्रथम श्रेणी-01
कोर्ट नं. 73, जिला शाहदरा
कड़कड़हूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/11088/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)
मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **राकेश कुमार सचदेवा**, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता/मालिक/साझेदार, न्यू पंजाब मोटर्स एंड टैक्स्टर वर्क्स, पता: ई-जिला सेंट्रल पार्क-1, गुरुग्राम गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर 42, हरियाणा 122002; कार्यालय: सी-17ए एसएसआई इंडस्ट्रियल एरिया, जहांगीरपुरी, नई दिल्ली 110033 और बी-80 वजीरपुर, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली 110052 ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 2037/2023 धारा 138 एनआई अधिनियम, थाना पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार सचदेवा** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार सचदेवा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **राकेश कुमार सचदेवा, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 2037/2023 धारा 138 एनआई अधिनियम, थाना पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेश से
श्री अंशुल सिंघल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
कमरा नंबर 268
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/10989/OD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82(2)(ii) Cr.P.C देखिए)
मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **नौरज वर्मा पुत्र अशोक कुमार वर्मा निवासी लम्बे बाजार, बनकरी, गौतमबुधनगर, उत्तर प्रदेश-203201** अन्य पता: **डी-1, कादर नादू मार्ग, 101, आनंद पर्वत औद्योगिक क्षेत्र, एक्सिस बैंक के पास, नई दिल्ली;** अन्य पता: **डी-1, एडब्ल्यूएचओ सोसाइटी, 43आर प्लॉट नं. 601, परी चौक, ग्रेटर नोएडा-201310** ने कैसे एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **751/2020, थाना करोल बाग, मध्य जिला, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नौरज वर्मा** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नौरज वर्मा** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा अभियुक्त व्यक्ति की उद्घोषणा की जाती है कि कैसे एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **751/2020, थाना करोल बाग, मध्य जिला, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नौरज वर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.09.2026** के प्रातः 10:00 बजे या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री अराधना
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
(एनआई एक्ट)-09, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/11047/CD/2026
(Court Matter)

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने तमिलनाडु से 50 हजार के इनामी जालसाज को गिरफ्तार किया है। हाई प्रोफाइल जालसाजी और चोरी के मामले में वॉटेड आरोपी 12 साल से फरार था। इस पर राजनीतिक कार्यालयों के नकली लेटरहेड का इस्तेमाल करने का आरोप था।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज के हथ्थे चढ़े घोषित अपराधी मनोहरन कंधसामी के खिलाफ 2008 में मंदिर मार्ग थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसकी जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी। डीसीपी

गौतम ने बताया कि एक केस हैदराबाद के रहने वाले विजय कुमार (65) की शिकायत पर मंदिर मार्ग थाने में 2007 में दर्ज किया गया था। कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि एक धर्मशाला में ठहरने के दौरान अलमारी में रखे उनके सोने के गहने और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया गया था। जांच के दौरान मूलरूप से कर्नाटक के रहने वाले मनोहरन कंधसामी को पकड़ा गया था। हालांकि उसके पास से चोरी का सामान बरामद नहीं हो सका था, लेकिन उसकी तलाशी लेने पर कई प्रिंटेड और खाली लेटरहेड मिले, जो कथित तौर पर जाने-माने राजनीतिक



कार्यालयों और सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए थे। जांच करने पर पता चला कि बरामद दस्तावेज नकली और जाली थे, जिससे सरकारी पहचान और दस्तावेजों के गलत इस्तेमाल से जुड़ी एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ। इसके बाद मंदिर मार्ग पुलिस

स्टेशन में 2008 में अलग से मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये दोनों मामलों को क्राइम ब्रांच को सौंपा गया था। 2008 के मामले की जांच के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। हालांकि, लगभग एक महीने बाद न्यायालय ने उसे जमानत दे दी थी। इसके बाद वह जानबूझकर अदालत में पेश नहीं हुआ और फरार चल रहा था। लगातार अनुपस्थित रहने के कारण 2014 में पटियाला हाउस कोर्ट द्वारा उसे भगौड़ा अपराधी करार दिया गया था। जांच एजेंसी की तमाम कोशिशों के बावजूद कई सालों तक उसका कोई

पता नहीं चल सका। बाद में उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50 हजार के इनाम की घोषणा की गई थी। कुछ समय पहले तमिलनाडु में आरोपी द्वारा सक्रिय रूप से इस्तेमाल किए जा रहे एक मोबाइल नंबर का पता चला। इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर तमिलनाडु में लगातार निगरानी और फील्ड पूछताछ की गई। लगातार कोशिशों और तालमेल के साथ की गई कार्रवाई के बाद, आखिरकार आरोपी का पता चल गया और उसे तमिलनाडु के नमक्कल जिले में तिरुचेंगोडे के बाहरी इलाके में स्थित एक गोदाम से गिरफ्तार कर लिया गया।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना					
क्र. सं.	बोर्ड/निमा/सं. प्राथ.	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुले की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	ग्राह./ईएमपी रु. में	बोर्ड/निमा/प्राथ. की वेबसाइट
1	एचआरएमबी रोहतक	सब-गार्ड चौटाला (एम.सी. डबलवाली) में हार्डमास्टर लाइटिंग स्थापना, सर्विस लाइन और स्ट्रीट लाइट की स्थापना।	06.08.2026 13.08.2026	ईएमपी 56,900/-	https://etenders.hry.nic.in
2	एचआरएमबी रोहतक	महान निवास क्षेत्र जिला रोहतक में कार्य योजना 2026-27 के तहत 2 अदर सम्पर्क सड़कों की विशेष मरम्मत अर्थात अजायब से बीसी आईडी-1790 (18 फीट चौड़ा रोड), रेलवे स्टेशन लाहली से बसना बाबा मोहरा आईडी 1883 (18 फीट चौड़ा रोड). (ग्रुप-1) (एम.सी. महम)	बंद होने की तिथि 20.08.2026	अनुमोदित डीएनआईटी के अनुरूप	https://etenders.hry.nic.in
अधिक जानकारी हेतु कृपया धरें: www.haryanaeaprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in					
संचाद-13/2027/60/480431/18/87 दि. 10.08.26					

सदन में पेश बधाई प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष के सवालों का दिया जवाब

लक्ष्मी योजना सरकार की सबसे बड़ी योजना, 17 लाख बहनों को मिलेगा लाभ : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

लक्ष्मी विधानसभा के मानसूत्र सत्र के दूसरे दिन सोमवार को मुख्यमंत्री देवराज गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के शुभारंभ के संबंध में सत्तापक्ष की सदस्य शिखा राय द्वारा सदन में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सवालों का विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना दिल्ली की अब तक की सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है। चाहे 15 साल की कांग्रेस सरकार हो या 11 साल की आप की सरकार, किसी ने यह नहीं किया। भाजपा सरकार ने दिल्ली की महिलाओं के लिए ऐसा करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सरकार का लक्ष्य 17 लाख लाभार्थियों का है और जब तक यह हासिल नहीं हो जाता, योजना के तहत पंजीकरण प्रक्रिया नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा कि योजना शुरू होने के केवल 10 दिन में इसके तहत लगभग 5 लाख 92 हजार पंजीकरण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए 5 हजार 100 करोड़ रुपये की बड़ी राशि निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य दिल्ली की सड़क महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना है, जो अपने परिवार और घर की जिम्मेदारियाँ पूरी निष्ठा से निभाती हैं, लेकिन उनके श्रम की आर्थिक कोमत अक्सर सामने नहीं आती। सदन का बहिष्कार करने पर विपक्ष पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि जो सदस्य सड़क वाली कुर्सियों पर बैठे थे और बड़ी बुलंद आवाज में दिल्ली की बहनों



के हितैषी बनने का दावा कर रहे थे, उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब उन्हीं दिल्ली की बहनों की चर्चा सदन में हो रही थी, तब उनमें जवाब सुनने का साहस नहीं था। इसी कारण वे सदन से बाहर चले

गा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके बाद योजना में डिजिटल वॉलेट के माध्यम से दी जाने वाली राशि को लेकर उठाए जा रहे सवाल का भी जवाब दिया।

उन्होंने बताया कि 1 हजार रुपये डिजिटल वॉलेट में दिए गए हैं, जबकि 1 हजार 500 रुपये की राशि एफडी/आरडी में बचत के रूप में जमा की जाएगी। यह बहुत सोच-समझकर बनाई गई नीति है, ताकि बहनों के पास घर-खर्च और दैनिक आवश्यकताओं के लिए हाथ में पैसा भी रहे और 1 हजार 500 रुपये की राशि बचत के रूप में जमा होती रहे। जब तीन वर्ष बाद यह राशि एकमुस्त मिलेगी, तो ब्याज सहित यह लगभग 60 हजार रुपये का एक बड़ा अमाउंट होगा।

‘दिल्ली की जनता का पैसा दिल्ली में ही खर्च होना चाहिए’

मुख्यमंत्री ने विपक्ष द्वारा बसों में उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य राज्यों की महिलाओं को लेकर उठाया गए सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों के लिए पिक अप करना बाना ज़ा रहे हैं। पिछली सरकार के लोग दिल्ली में रहते हुए देश की राजनीति करते थे और पूरे देश में सत्ता हासिल करने की राजनीति करते थे। जनमानस सरकार ऐसा काम नहीं करती। उन्होंने कहा कि दिल्ली की वक्ता का पैसा दिल्ली में ही खर्च होना चाहिए और उसका नामा दिल्ली के लोगों को ही मिलना चाहिए। दिल्ली के टैक्सपेयर्स के पैसे को कहीं और खर्च नहीं किया जा सकता क्योंकि दिल्ली सरकार की दिल्ली के टैक्सपेयर्स के प्रति जवाबदेही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विधानसभा में महिलाएं अपने आवेदन पर हस्ताक्षर करने के लिए आती हैं, तब भी विधायकों को गरिमापूर्ण व्यवहार करना चाहिए। महिलाओं के समानता को ध्यान में रखते हुए विधायकों को उचित मर्यादा और शालीनता के साथ बैठना चाहिए तथा महिलाओं के साथ समानानुगत व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने सदन में मौजूद सदस्यों को और संकेत करते हुए कहा कि इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सदन में एक विधायक द्वारा बनाई गई सोशल मीडिया रील का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली की बहनें उनसे सवाल पूछे रही हैं कि वे इस प्रकार का व्यवहार कैसे कर सकते हैं। दिल्ली की महिलाओं के सामने इस तरह का आचरण शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती के विरुद्ध उनकी पत्नी के साथ कथित दुरव्यवहार का मामला सामने आया था। उन्होंने पूछा कि विधायक शर्दत चौहान और दिनेश मोहनिया का भी उल्लेख किया तथा कहा कि महिलाओं से संबंधित मामलों में उनके खिलाफ भी शिकायतें और एफआईआर दर्ज हुई थीं। यदि विपक्ष आज महिलाओं के समानता और सुरक्षा को बात करता है, तो उसे इन मामलों पर भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि ऐसे मामलों के बावजूद आज उन्हें महिलाओं की विंता क्यों याद आ रही है।

दिल्ली विधानसभा से विपक्ष के छह सदस्य
मार्शलों द्वारा कराए गए बाहर

दिल्ली विधानसभा के मानव सूर्य से दूरे हुए दिन सोमारवार को विश्व के छह सदस्यों को भारत द्वारा सदन से बाहर किया गया। यह कार्यवाही विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा विधायकों को आपत्तिजनक टी-शर्ट उतारने के निर्देशों के बिना, बिना जाने के बाद की गई। सदन से बाहर किए गए विधायकों में संजीव झा, जयवंत सिंह, कुलदीप कुमार, प्रेम कुमार, सोम दत्त और अजय दत्त शामिल हैं। कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने आप विधायकों के टी-शर्ट पहनकर सदन में आने पर आपत्ति जताई जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया।

‘विपक्ष को महिलाओं के साथ व्यवहार पर करना चाहिए मंथन’

मुख्यमंत्री रमण गुप्ता ने कहा कि विपक्ष महिलाओं के प्रश्नमान की बात करता है, लेकिन उसने अपने राजनीतिक हठों में महिलाओं के के साथ व्यवहार पर भी आश्वस्त्यपूर्ण चर्चा नहीं। उन्होंने राज्यसभा सांसद रमिता मालावाल को जल्लास करते हुए कहा कि वह भी पार्टी ओकेटर चली गई। उन्होंने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में विपक्ष आतिथी का भी जिक्र किया और आपल लगाया कि उन्हें सदन में आने से रोकना था, जिसके कारण वह तीन प्रतिपक्ष होने के बावजूद दिल्ली के मुद्दे पर अपनी बात नहीं रख पा रही है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की महिलाओं को आश्चर्य की बात कि कोई भी पात्र महिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या विलीन सरकार का योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं होगा।

‘पंजाब में महिला योजना पर खर्च कर दिया
निर्माण श्रमिकों के कल्याण कोष’

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विपक्षी सदस्य दावा कर रहे हैं कि पंजाब में महिलाओं को पैसा दिया जा चुका है, जबकि जलूलाई में चुनाव से ठीक पहले योजना की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि पिछले बार वर्षों में सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि ब्यालाथर ने इस राशि के इस्तेमाल पर रकत लगाते हुए स्पष्ट किया है कि यह सरकार की नहीं, बल्कि निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए की राशि है, जिसका इस्तेमाल महिलाओं को भुगतान के लिए नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से भुगतान रुक गया है और माताओं-बच्चों को योजना के तहत कोई राशि नहीं मिल रही। मुख्यमंत्री ने इसे महिलाओं के साथ दोसा बताने हुए कहा कि पहले दिल्ली और अज पंजाब को भी ऐसी नीतियों से नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सदन में उठाई गई नागरिक समस्याओं को एमसीडी संबंधी विशेष समिति को सौंप'

दिल्ली की सड़कों पर कूड़ा प्रबंधन एवं आवाज़ यथुओं से संबंधित सदन में उठाई गई नागरिक समस्याओं का समाधान देते हुए दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने संयमार्ग की दोनों मामलों की एमएसडी संबंधी विधि पर समिति को सौंप दिया। कूड़ा प्रबंधन के संबंध में अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि एमएसडी आयुक्त समिति के संसद उपस्थित होकर सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब दे तथा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निगम को समिति के संसद कूड़ा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्थाओं तथा सड़क दिशा में किए गए सुधारालोक कार्यों का स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करना होगा। सत्ताधर के सदस्य डॉ. अंजलि गिल ने नियम 280 के तहत यह मामला उठाया।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर में
200 छात्राओं को वितरित की साइकिलें



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा शुक्ला ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत विधानसभा परिसर में नौवीं कक्षा की 200 छात्राओं को सेमवार को साइकिलें वितरित कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा शुक्ला ने छात्राओं से कहा कि वे इस सुविधा का उपयोग अपनी शिक्षा को और मजबूत करने में करें, अपने लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि एक साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि बेटीयों की शिक्षा और उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को योजना के तहत साइकिलें वितरित की जाएंगी।

साइकिल से विधानसभा पहुंचे विपक्षी सदस्य



विपक्ष बल आम अमी पार्टी (आप) के सदस्य सोमवार को मानसून सत्र के दूसरे दिन साइकिल चलाकर दिल्ली विधानसभा पहुंचे। इन विपक्षी लामबंदी 200 रुपये प्रति साइकिल के हिसाब से खरीदी थीं, जबकि मौजूदा दिल्ली सरकार ने निविदा के जरिए 1 लाख 30 हजार साइकिलों के 6 हजार 957 रुपये प्रति साइकिल के हिसाब से खरीदी हैं। विपक्षी सदस्यों ने कहा कि सरकार और हमारे द्वारा खरीदी गई साइकिलें एक ही बोनफायर मॉडल की हैं, लेकिन सरकार उस पर साइकलर लिखकर दे रही है। सरकार इस पर अपना स्पष्टीकरण दे। उन्होंने कहा कि साइकिलों को खरीदने में मंत्री आशेष सूद के विभाग ने 90 करोड़ रुपये का घोटाला किया है।

समय पर सरकारी सेवाएं पाना अब होगा नागरिकों का कानूनी अधिकार : पंकज

नहीं दिल्ली। दिल्ली में समय पर और बिना वक्तव्य किए सरकारी सेवाएं पाना अब नागरिकों का कानूनी अधिकार होगा। इस संबंध में सोमवार को दिल्ली विधानसभा के मानकनीत सत्र में दिल्ली के आठवीं मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली (नागरिकों का समय पर और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026 विधानसभा में पेश किया। मंत्री डॉ. पंकज ने सदन में विधेयक पेश करते हुए कहा कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य अलानावासियों को सरकारी सेवाएं एवं समस्या-समाधान में, पारदर्शी और बिना अनावश्यक भागदौड़ के उपलब्ध कराना है। यह विधेयक वर्ष 2011 के कानून का स्थान लेगा। विधेयक के तहत प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा में सरकारी सेवा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिलेगा। निवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह अधिक डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आवेदन को युनिक एप्लीकेशन नंबर दिया जाएगा, जिससे नागरिक पर बैठे अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे।

भाजपा ने आप विधायकों के विरुद्ध किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए लाई गे' दिल्ली लक्ष्मी योजना का बहिष्कार करने वाली आम आदमी पार्टी के सभी 22 विधायकों के घर अथवा कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश महामंत्री मोहनलाल गिहारा ने किया। नेता विपक्ष एवं कालकाजी से विधायक आशिष माल्लो ने के निवास पर दिल्ली भाजपा महामंत्री योगिता



सिंह, मंत्री नरेश वशिष्ठ एवं पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशाल रोल प्रदर्शन करते हुए कहा, खेदपूर्ण है कि आतिशी वैसे तो एक साल से प

खासकर लगभग 6 महीने से तं विधानसभा छोड़ गोवा में घूम रहे हैं। एक महिला होते हुए भी उन्होंने अपनी पार्टी को दिल्ली लक्ष्म योजना का विरोध करने दिया

कोडली विधायक कुलदीप के कार्यालय पर मयूर विहार जिलाध्यक्ष विजेन्द्र धामा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष ऋचा पांडेय के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

सोलमपुर विधायक चौधरी
जुबैर अहमद के विरुद्ध प्रदेश मंत्री
गौरव खारी के नेतृत्व में सत्या शर्मा,
अनिल गौड़ सहित सैकड़ों
कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। आप के
अन्य विधायकों के आवास व
कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं
ने प्रदर्शन किए।

मालवीय नगर अग्निकांड मामला :

नरेंद्र हिंदवीणी हिंदवीली सरकार में पूर्वी मंत्री व आप पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने भाजपा हिंदवीली प्रदेश अध्यक्ष हंस महेश्वरी व विद्यार्थक हरीश खुसुना प्रसेठ कई नेताओं को मानवधिकार का नोटिस भेजा है। उन्होंने यह नोटिस सौरभ भारद्वाज और आपने उपर मार्वावी नगर अंगिकारक के शिकार होटल को लाइसेंस देने के हटायो आरोप लगाया के चलते भेजा है। उन्होंने बताया कि 3 जून 2026 को होटल में लगो आग में 23 लोगों की जान चली गई थी। अब भाजपा नेताओं ने सौरभ भारद्वाज और मुझ पर हटायो आरोप लगाकर आपनी सरकार की नाकामी छिपाने की कोशिश की थी। भारती ने कहा कि जबकि सच्चाई यह है कि उस दौरान लोकसभा चुनाव के चलते देश भर में चुनाव आचार संहिता लागू थी। जबकि हिंदवीली में पूरे देश का शासन भाजपा सरकार के अधीन चुनाव आयोग के हाथ में था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी दौरान चुपके से उस होटल को लाइसेंस दिया गया। उन्होंने मानवधिकार का भाजपा नेता आपने हटो दावे के लिए सांजनिक माफो मांगो या कोर्ट में मुकदमा का सामना करे।



तहजीब' है। पुरानी दिल्ली में मंदिर में घंटी और मस्जिद में अजान साथ गुंजती है। चांदनी चौक में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब मिलकर मिठाई खाते हैं और त्योहार मनाते हैं और यही एकता हमारे असली राष्ट्रीय तिरंगे का भाव है।

दस मिनट की दूरी तय करने में लगे घंटों

जलभराव और कांवड़ यात्रा के चलते जगह-जगह लगा जाम

काफी अधिक समय लगा जलभराव वाले हिस्सों में बाहनों की रफ्तार धीमी पड़ने के साथ ही कांड़यंत्रों के जत्थों की आवाजहीने कई स्थानों पर यातायात का दबाव और बढ़ा दिया। दिल्ली के बाहरी और उत्तरी हिस्सों में बारिश के बाद सड़कों पर पानी जमा होने से स्थितिअधिक खराब रही। नरेला, अलीपुर, जहांगीरपुरी इलाके सहित कई प्रमुख स्थानों पर जलभराव के कारण वाहन

बारिश के बाद जिन सड़कों पर पानी को सबसे अधिक परेशानी का सामना से चलते नजर आए। जलभराव के कारण से पीछे आने वाले वाहनों की किलकड़ कहना है कि बारिश के दौरान जल नालियाँ नहीं होने।

लमराव ने बढ़ाई परेशानी

जन्मा हुआ, वहां दोपहिया वाहन चालक बनकर पड़ा। कई जगह वाहन धीमी गति पर सड़क की उपलब्ध चौड़ाई कम होने लंबी होती चली गयी। स्थानीय लोगों का चारों तरफ से स्थानों की समस्या रहते निकाली जा रही है। समस्या और गंभीर हो जाती है।

पर यातायात को नियंत्रित करने और वाहन को वैकल्पिक रास्तों की ओर बहाने से भी कुछ मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया।



हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

राजधानी में सोमवार को बारिश के बाद कई इलाकों में हुए जलभराव और कांवड़ यात्रा के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से

दिल्ली पुलिस

शांति सेवा स्याम

चाइनीज़ मांझा रुप धागे का पर वार हथियार का

दिल्ली पुलिस
आपसे अपील करती है:

चाइनीज़ मांझा या नायलॉन, प्लास्टिक, मेटल-कोटेड या किसी भी ऐसे सिंथेटिक मटीरियल से बने धागे का इस्तेमाल करके पतंग उड़ाना, बेचना, अपने पास रखना, खरीदना एक दंडनीय अपराध है और इससे जान को गंभीर खतरा हो सकता है।

उल्लंघन करने वालों को 5 वर्ष तक की सजा,
₹1 लाख तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं

चाइनीज़ मांझा
प्रतिबंधित है
आपकी सुरक्षा के लिए

बिजली का झटका
और ब्लैकआउट
का कारण

पक्षियों और
जानवरों को चोट या
मौत का कारण

गर्दन और शरीर
पर गंभीर चोट
पहुंचा सकता है

जानलेवा
दुर्घटनाओं
का कारण

बनें इमारी
आंख और कान

चाइनीज़ मांझे की बिक्री या
उपयोग की सूचना देने के लिए

कॉल करें
112

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें: पुलिस आयुक्त, दिल्ली को, पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

f @DelhiPoliceOfficial X @DelhiPolice Instagram @delhi.police_official Telegram @DelhiPoliceofficial YouTube @DelhiPoliceYT delhipolice.nic.in

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नम्बर पर कॉल करें आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों की सूचना देने के लिए 14547 पर कॉल करें

DP/9900/2026

खबर संक्षेप

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते गिरफ्तार
रांची। पूर्व सदस्य अजिता भट्टाचार्य से पृष्ठताछ के बीच झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद के बीच हुई इस कार्रवाई को अहम माना जा रहा है। परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में जांच एजेंसी पहले से ही एल खियांग्ते की भूमिका की जांच कर रही थी।

1 करोड़ के खाते में मेजा सामाजिक सुरक्षा पेंशन पूर्णिया। बिहार सरकार हर महीने की 10 तारीख को 'बिहार पेंशन दिवस' के तौर पर मनाती है। इस दिन सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभुकों को राशि देने का फैसला किया है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज एक करोड़ से अधिक लोगों के खाते में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि हस्तांतरित की। सीएम सम्राट चौधरी ने इस मौके पर वहां मौजूद अफसरों को एक अहम आदेश भी दिया।

बेरोजगारी-महंगाई दूर करने के प्रयास करे सरकार
लखनऊ। बसपा सुप्रिमो मायावती ने बेरोजगारी-महंगाई समेत जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा है। मायावती ने सोमवार को केंद्र व राज्य सरकारों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर पेपरलीक व भ्रष्टाचार मुक्त भर्तियां कराए जाने की मांग उठी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि सरकार राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी हाथों में बेचना बंद करे।

गोरखनाथ मंदिर में योगी ने किया रुद्राभिषेक भगवान शिव का पूजन कर प्रदेश के लोगों की सुख-समृद्धि की कामना

हरिभूमि न्यूज ►► गोरखपुर

सावन माह के दूसरे सोमवार के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित शक्तिपीठ में विधि-विधान के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया और जल, दूध सहित विभिन्न पूजन सामग्री से

जनता दर्शन में सीएम योगी ने 200 फरियादियों की सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ►► गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए सभी लोगों की ध्यान से बात सुनी। उनके प्रार्थना पत्र लिए और आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का समाधान जरूर कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित

अफसरों को निर्देश- हर पीड़ित की समस्या का हो समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

कुरसियों पर बैठए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनत्व के भाव से 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएं।

इलाज के लिए आर्थिक मदद का भरोसा

जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार पर्याप्त आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण करवाकर शासन में भेजे। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए धनराशि दी जाएगी।

बकाया संपत्ति कर जमा करने करदाताओं को मिलेगी 3 किस्तों की सुविधा

762 नगरीय निकायों में 15 अगस्त से ओटीएस योजना लागू करने का निर्णय

राज्य के करोड़ों लोगों को लाभ देने के लिए सरकार ओटीएस योजना शुरू करने जा रही है। यह योजना 15 अगस्त से शुरू हो रही है और 15 दिसंबर तक चलेगी...

हरिभूमि न्यूज ►► लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के नगरीय निकायों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर यानी गृहकर, जलकर एवं सीवरकर की प्रभावी वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने का निर्णय लिया गया है। सरकार की इस पहल से लंबे समय से संपत्ति कर के बकाये में फंसे लाखों करदाताओं को राहत मिलने के साथ ही नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी। योजना का लाभ प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में लंबित संपत्ति कर के बकायेदारों को मिलेगा। सरकार का उद्देश्य पुराने कर बकायों का सरल एवं व्यावहारिक तरीके से निस्तारण करना, करदाताओं पर आर्थिक दबाव कम करना और कर संबंधी न्यायालयीय विवादों में कमी लाना है।

व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए

एकमुश्त समाधान योजना की अवधि चार माह निर्धारित की गई है और इसका क्रियान्वयन 15 अगस्त 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। नगरीय निकायों द्वारा 15 अगस्त से 14 सितंबर 2026 के बीच सभी संबंधित करदाताओं एवं हितधारकों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। जिससे अधिक से अधिक पात्र करदाता योजना का लाभ उठा सकें।

तीन किस्तों में जमा कर सकेंगे बकाया

वहीं करदाताओं को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने ओटीएस के अंतर्गत बकाया संपत्ति कर के भुगतान के लिए अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा भी प्रदान की है। करदाता को योजना लागू होने की तिथि से 30 दिन के भीतर कुल बकाये की एक-तिहाई धनराशि जमा करनी होगी। बाकी शेष दो-तिहाई धनराशि अगले दो माह में दो मासिक किस्तों के माध्यम से जमा की जा सकेगी। इस प्रकार योजना के अंतर्गत देय संपूर्ण धनराशि का भुगतान अधिकतम तीन माह की अवधि में अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा।

पेज एक का शेष

दूसरा 'जंतर मंतर' ...

को दोबारा जुटाना शुरू कर दिया है। छात्रों की योजना सड़क पर ही बैठकर अनिश्चितकालीन धरना देने की है। दूसरी ओर, रैपिड एक्शन पुलिस, जिला बल और महिला सुरक्षा बलों को भारी संख्या में तैनात कर डिटेन करने की तैयारी की गई है। इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा की हम निंदा करते हैं।

प्रदर्शनकारी छात्रों पर ...

उनके जवाब से पहले वह सदन को व्यवस्थित करें और कार्यवाही को चलने दें। पाल ने कहा, यह मानसून सत्र का अंतिम सप्ताह है। आप लोग महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा करने से भाग रहे हैं।

यूं दिनभर के लिए ...

जिसमें उन्होंने गृह मंत्री सदन में आकर जवाब दो-जवाब दो, जवाब तुम्हें देना पड़ेगा-देना पड़ेगा, गृहमंत्री सदन में आओ-सदन में आओ, चंदा चोर गद्दी छोड़, गद्दी छोड़ चंदा चोर जैसे नारे लगाए। फिर प्रेमचंद्रन ने कार्यवाही की कुछ ही सेकेंड में 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। 12 बजे भी सदन के हालात नहीं बदले, हंगामा और शोरशराबा ज्यों का त्यों चलता रहा। विपक्षी दलों के सांसदों के हाथ में सरकार विरोधी नारे लिखे हुए पोस्टर थे। जबकि कुछ के हाथ में गृहमंत्री अमित शाह की तस्वीर वाला पोस्टर भी देखने को मिला।

ये 4 विधेयक पेश हुए, 1 को मिली मंजूरी : एक बार के स्थान के बाद 12 बजे शुरू हुई सदन की कार्यवाही के दौरान हंगामे के बीच पीठासीन सभापति संस्था राय ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाई। जिसमें वित्त, रेलवे, शहरी-आवास मामले, सामाजिक न्याय और अधिकारिता जैसे कुछ मंत्रालयों की संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पटल पर रखवाई। साथ ही कुल 4 विधेयक सदन में चर्चा के साथ पारित करने के लिए रखे गए। जिनमें केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने 'द ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म बिल 2026' पेश किया, केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी ने 'द माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल 2026' सदन के पटल पर रखा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 'द केरला अल्टरेशन ऑफ नेम बिल 2026' पेश किया और केंद्रीय सहकारिता-नागरिक उड्डयन मंत्री मुरलीधर मोहोले ने 'द नेशनल कोआपरेटिव डेवलपमेंट कारपोरेशन अमेंडमेंट बिल 2026' लोकसभा की स्वीकृति के लिए रखा। हंगामा चलता रहा और कार्यवाही को 12 बजकर 13 मिनट से 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

न्यायाधिकरणों के कामकाज में आएगी पारदर्शिता- मेघवाल :वहीं, दो बजे

के बाद शोरशराबे के माहौल में इन सभी विधेयकों में से सिर्फ एक 'द ट्रिब्यूनल रिफॉर्म विधेयक 2026' को पारित कर दिया गया। कोई चर्चा नहीं हुई। जिसे लेकर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, विधेयक का असली मकसद विभिन्न न्यायाधिकरणों के कामकाज में दक्षता, स्वतंत्रता, पारदर्शिता और एकरूपता लाना है। अब एक आधुनिक और स्वतंत्र राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग का गठन किया जाएगा। जो ट्रिब्यूनल्स के अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति, सेवा शर्तों तथा प्रशासन की प्रक्रिया को देखेगा। उन्होंने ये भी साफ किया कि नए विधेयक से किसी भी ट्रिब्यूनल के मूल अधिनियम द्वारा प्रदत्त अधिकार क्षेत्र में कोई तब्दीली नहीं आएगी। हंगामा जारी रहा, हालांकि पीठासीन सभापति जगदीशका पाल ने विपक्ष से उनके द्वारा दिए गए संशोधनों को सदन में उठाने का अनुरोध किया, सांसदों के नाम भी पुकारे गए। लेकिन कोई बोलने के लिए तैयार नहीं हुआ, हंगामा चलता रहा। जिसके बाद विधेयक पारित हो गया। कार्यवाही 2 बजकर 19 मिनट से मंगलवार 11 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

वंदे मातरम की 150वीं ...

अतिथियों तथा आमजन पर भारतीय वायुसेना का मी-17वीड हेलीकॉप्टर पुष्पवर्षा करेगा। यह जानकारी सोमवार को रक्षा मंत्रालय में आयोजित किए गए एक संवाददाता सम्मेलन में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दी है। यहां बता दें कि 'वंदे मातरम का लालकिले से कुल छह छंदों के साथ पहली बार पूर्ण गायन को लेकर हरिभूमि ने अपने 2 अगस्त के दिल्ली समेत अन्य संस्करणों में एक खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था'। जिसके पीछे की वजह बीते दिनों संसद से राष्ट्रीय गीत को लेकर पारित किया गया एक विधेयक है। पूर्व में वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने की ही सरकारी अनुमति थी।

नेता प्रपक्ष को मिलेगा पूरा सम्मान: एक अन्य प्रश्न के जवाब में सिंह ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी समारोह का हिस्सा बनेंगे। जिसके लिए हमने उन्हें आमंत्रित किया है। हर बार मंत्रालय की तरफ से उन्हें बुलावा भेजा जाता है। इस बार भी बुलावा गया है। लालकिले में समारोह स्थल पर राहुल के बैठने की व्यवस्था को लेकर रक्षा सचिव ने कहा कि टेबल ऑफ प्रिंसिडेंस यानी टीओपी के जरिए ही उनके आयोजन स्थल पर बैठने की व्यवस्था की गई है। जिसमें उन्हें केंद्रीय मंत्रियों के तुरंत बाद बैठने के लिए सीट प्रदान की जाएगी।

पीएम के आगमन संग शुरू होगा समारोह : उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लालकिले पहुंचने पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की औपचारिक रूप से शुरुआत होगी। वह किले के रैंपार्ट पर पहुंचेंगे। फिर राष्ट्रीय गीत

का गायन होगा, पीएम राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, राष्ट्रीय गान होगा और अंत में प्रधानमंत्री परंपरागत रूप से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। वंदे मातरम के पूर्ण गायन से आजादी की लड़ाई में लाखों लोगों को प्रेरित करने वाले इस राष्ट्रीय गीत की गौरवशाली विरासत को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

एनसीसी कैडेट बनाएंगे आकृति : रक्षा सचिव के मुताबिक, समारोह स्थल पर की जाने वाली पुष्पसज्जा में वंदे मातरम की थीम को प्रदर्शित किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कुल करीब 2 हजार 500 कैडेट (लड़के-लड़कियां शामिल) और माई भारत स्वयंसेवक लालकिले की प्राचीर के सामने ज्ञानपथ पर राष्ट्रीय गीत की आकृति बनाएंगे। आयोजन के पूर्व में सैन्य बैंड 8 से 15 अगस्त तक देशभर में अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दे रहे हैं। सेना, वायुसेना, नौसेना, तटरक्षकबल, एनसीसी, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीएसएफ, आईडीएस, आरपीएफ और असम राइफल्स देश के 343 मुख्य स्थानों पर प्रस्तुतियां देंगे। आमजन में देशभक्ति की भावना को बढ़ाने के लिए बैंड प्रस्तुतियों के आयोजन स्थलों पर प्रवेश खुला रहेगा।

विशेष अतिथि होंगे 5 हजार: समारोह के लिए देश के निर्माण की यात्रा में योगदान देने वाले तमाम क्षेत्रों के लगभग 5 हजार लोगों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय नवाचार कार्यक्रमों के तहत आने वाले युवा नवप्रवर्तक, पीएम इंटरशिप योजना के तहत प्रशिक्षण करने वाले स्टांटअप मुख्य हैं। समारोह में युवाओं की उपलब्धियों को भी सम्मान दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित ओलंपियाड 2026 में पदक जीतने वाले 19 विद्यार्थियों की उपलब्धियां विज्ञान के क्षेत्र में युवा शक्ति की सफलता का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यह बच्चे लालकिले की प्राचीर पर बैठेंगे। पृष्ठभूमि में लगे व्यू कटर भारत की परमाणु, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति को प्रदर्शित करेंगे। जबकि गार्ड ऑफ ऑनर क्षेत्र में पुष्प सज्जा के जरिए विकसित भारत@2047 तक भारत की यात्रा को दर्शाया जाएगा।

क्लॉक रूम, हेल्पडेस्क की मिलेगी सुविधा: राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आमजनता को सुविधा देने के लिए समारोह में 6 जगहों पर 25 क्लॉक रूम स्थापित किए गए हैं। जबकि 200 स्वयंसेवक माई भारत से 100, एनसीसी से 100 पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर आगंतुकों को उनके बैठने वाले स्थानों तक पहुंचने में सहायता करेंगे। जरूरतमंद आगंतुकों को प्रदेश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने की में एनसीसी कैडेट मौजूद रहेंगे व 20 व्हीलचेयर भी उपलब्ध रहेंगी।



अलीगढ़ बनाम हरिगढ़ नाम बदलने के विरोध में विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ►► अलीगढ़

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ किए जाने की चर्चाओं के विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के पार्षद जिला मुख्यालय पहुंचे। दोपहर पार्षदों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए शहर का नाम न बदलने की मांग की। विपक्षी पार्षदों ने कहा कि अलीगढ़ ताला, तालीम और तहजीब की पहचान रखने वाला ऐतिहासिक शहर है। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समेत सभी समुदायों के लोग आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ रहते हैं।

उन्होंने कहा कि नगर निगम की किसी भी बैठक में अलीगढ़ का नाम बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। वर्ष 2022-23 में केवल एक सुझाव आया था, जिसका उस समय विरोध किया गया था। पार्षदों ने कहा कि नगर निगम को किसी जिले का नाम बदलने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल शासन स्तर पर होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नाम परिवर्तन की चर्चाएं जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास हैं।

गो संरक्षण से गांवों में खुलेगा कमाई का नया बुलंदशहर में एफपीओ के जरिए शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट, 15 गांवों में खोली गई गोमूत्र डेयरी

हरिभूमि न्यूज ►► लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और जैविक खेती से जोड़ने की दिशा में नई पहल शुरू हुई है। बुलंदशहर में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर गोमूत्र की खरीद शुरू की गई है। किसानों और पशुपालकों से 10 रुपए प्रति लीटर की दर से गोमूत्र खरीदा जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस मॉडल को प्रदेश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने की तैयारी है। इससे गोवंश पालने वाले परिवारों को दूध के साथ गोमूत्र से भी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता मिल सकेगा।

एजेंसी ►► लखनऊ

गंगा एक्सप्रेसवे से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर) को जोड़ने के लिए 74.5 किलोमीटर लंबा, 6 लेन ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेसवे मंजूर कर दिया गया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 8,586 करोड़ रुपये बताई गई है। हाल के अनुपूरक बजट में इसके लिए 250 करोड़ रुपये अतिरिक्त रखे गए हैं, जिससे जेवर की पहुंच और कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है। इस लिंक एक्सप्रेसवे के बनने से पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश के विस्तृत इलाकों से जेवर हवाई अड्डे तक पहुंच सरल हो जाएगी। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड से आने वाले यात्रियों के लिए भी एयरपोर्ट तक जाने की सड़क सुविधाएं बेहतर हो जाएंगी। परिणामतः हवाई अड्डे का कैचमेंट एरिया बढ़ेगा और यात्रियों के साथ एयरलाइनों दोनों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना लॉजिस्टिक्स, गोदाम, होटल, पर्यटन और औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करेगी। इससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और विकास को नया मुकाम मिलेगा।

गो संरक्षण से गांवों में खुलेगा कमाई का नया

बुलंदशहर में एफपीओ के जरिए शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट, 15 गांवों में खोली गई गोमूत्र डेयरी

गोमूत्र के संग्रहण के लिए गांवों में 200 लीटर क्षमता के टैंक लगाए गए हैं। इससे पशुपालकों को गोमूत्र बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। गांव में ही इसकी खरीद और संग्रह की व्यवस्था की गई है। स्थानीय स्तर पर संग्रहण की व्यवस्था होने से पशुपालकों, विशेषकर महिलाओं को इससे जोड़ना आसान हुआ है। इस पूरी व्यवस्था में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। गांवों में गोमूत्र एकत्र करने में सहयोग करने वाली महिलाओं को प्रति लीटर दो रुपये कमीशन दिया जा रहा है।

300 महिलाएं बनीं शेयरहोल्डर

डॉ. प्रवीण ने बताया कि इस पहल को केवल गोमूत्र की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे महिला सशक्तीकरण से भी जोड़ा गया है। करीब 300 महिलाओं के सहयोग से यह काम शुरू किया गया है। सभी महिलाओं को शेयरहोल्डर बनाया गया है। महिलाएं केवल संग्रहण व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इस पूरे आर्थिक मॉडल से सीधे जुड़ी हुई हैं।



आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी भारतीय महिलाएं कई मोर्चों पर खुद को आजाद महसूस नहीं कर पाती हैं। सशक्तिकरण के लिए बनाई गई सरकारी नीतियों, संवैधानिक अधिकार मिलने के बावजूद आज भी वे मानसिक जकड़बंदियों में कैद महसूस करती हैं। देश की आधी आबादी को पूर्ण आजादी की अनुभूति तभी हो सकती है, जब वह इसे अपने मन-जीवन के हर पहलू में महसूस करेगी।

सच्ची अनुभूतियों में बसे आजादी

आवरण कथा
डॉ. मौनिका शर्मा

हमारा देश आजाद है। हमारा संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है। मानवीय मोर्चे पर भी स्वतंत्र भारत के समाज में स्त्री-पुरुष समानता का भाव बढ़ा है। बावजूद इसके स्त्रियां मन से आजादी को नहीं जी पातीं। आज भी बहुत-सी महिलाओं के लिए स्वाधीनता जीवन का सहज रूप से जीया जाने वाला हिस्सा नहीं बन सका है। असल में परिवार और परिवेश के हालात ही नहीं, स्वयं महिलाओं का मन भी आजादी के खुशगवार रंगों को जीने में हिचकिचाता है। स्वतंत्र होने के सच्चे भाव-चाव को अपनाने में सकुचाता है। जाने-अनजाने स्त्रियों के विचार और व्यवहार परतंत्रता की अदृश्य परिधि में सिमटकर रह जाते हैं। एक चर्चित और सशक्त विचार है 'मजबूत स्त्रियां आजादी मांगती नहीं हैं, आजादी को जीती हैं।' ऐसे में जरूरी है कि देश की आधी आबादी, अपनी स्वतंत्रता के लिए किसी तरफ न देखे, पूरी सहजता और सच्ची अनुभूतियों संग अपनी आजादी को जीए। कहने का अर्थ है खुदमुखारी की उज्ज्वल रंगत खुलकर जीने की सोच ही महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास का सतरंगी उजास भर सकती है।

बेहिचक स्वीकारें बदलाव

स्त्रियों के जीवन में समय के साथ बदलने की रफ्तार थोड़ी कम होती है। उनकी जिंदगी का दायरा थोड़ा सिमटा-सहमा ही रहता है। समझना जरूरी है कि बदलाव के इस मोर्चे पर बेहतरी लाने के लिए कोई बाहरी नियम-कायदे काम नहीं आ सकते। सरकार की पॉलिसीज दिल की दुनिया नहीं बदल सकतीं। स्त्रियों को खुद अपने आप को इस बेबसी के तयशुदा घेरे से बाहर लाना चाहिए। गौरतलब है, इस साल हमारा देश अपनी आजादी का 80वां उत्सव मनाने जा रहा है। आजादी के इतने वर्षों में समाज-



परिवार और रिश्तों-नातों से जुड़ी अनगिनत बातों-हालातों में बदलाव आने के बाद भी बहुत-सी स्त्रियां मन के बनाए खांचे से बाहर नहीं आ सकी हैं। भावनाओं की उठा-पटक और नपुनन को स्वीकारने का भय आज भी उनकी जिंदगी में मौजूद रहता है। ऐसे में रहन-सहन से लेकर काम-काजी बनने या कुछ मन का करने तक, हर बदलाव को बेहिचक स्वीकारने की सोच बेहद जरूरी है। चर्चित अमेरिकी लेखक हंटर स्टॉकटन थॉम्पसन के मुताबिक, 'स्वतंत्रता एक ऐसी चीज है, जिसका उपयोग नहीं किया जाए तो यह मर जाती है।'

कीजिए खुद को आजाद

महिलाओं के लिए अपनी स्वतंत्रता को सहजता से जीने के लिए अपने मन के बनाए बंधन भी तोड़ने होंगे। सामाजिक-पारिवारिक परिवेश के बरसों से चले आ रहे दबावों और बंदिशों से मुक्त होकर अपनी पर्सद को प्राथमिकता देनी होगी। अपनी योग्यता को निखारना होगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना होगा। हर डर और हर उलझन से बाहर आकर अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने की राह पकड़नी होगी। असल में भारतीय समाज

की रूपरेखा ही ऐसी है कि पहले से बने सामाजिक सांचे ही नहीं, खुद महिलाओं के मन के खांचे भी उन्हें बांधे रखते हैं। दिल की बात कहने से रोकते हैं। उनकी अपनी संवेदनाएं ही बेहिचक अपनी बेहतरी का रास्ता चुनने में बाधा बनती हैं। हमारे यहां

स्त्रियां अपने दायित्वबोध के भाव के लिए भी बहुत मान पाती हैं। जरूरी यह है कि यह जवाबदेही आपके अपने जीवन की जहोजहद न बढ़ाए। हर मामले में दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार खुद को ढालने के बजाय अपनी सच्ची भावनाओं को जीना ही आजाद होना है। याद रहे, आपके मन की स्वतंत्र अनुभूतियां भीतर की भावनात्मक दुनिया का सच्चा आईना होती हैं। जिसमें सामाजिक नियमों, रूढ़िवादी विचारों, परंपरागत बंधनों और तयशुदा दायित्वों से दूर अपने अस्तित्व, सपनों और संवेदनाओं का प्रतिबिंब दिखाता है। अपने इस आंतरिक साए को हर दबाव से आजाद कीजिए।



भावनात्मक मोर्चे पर संतुलन साधिए

आज भी बहुत-सी स्त्रियां अपनी भावनाओं को दबाकर औरों की सहजता के मुताबिक जीती हैं। यह बनावटी बर्ताव बाहरी व्यक्तित्व के रंग तो छीनता ही है, मन को भी अशांत रखता है। यही वजह है कि अपनी सच्ची अनुभूतियों में बसी आजादी को जीने के लिए इमोशनली बेलेंस रहना बेहद जरूरी है। घर हो या बाहर, भावनाओं की स्वायत्तता सबसे जरूरी है। अपनी व्यक्तित्व इच्छाओं और सोच-समझ का एक स्वतंत्र संसार बसाना हर स्त्री के लिए आवश्यक है। देखने में आता है कि मन हो या जीवन, भावनाओं में बहना महिलाओं को पराधीन ही बनाता है। भावनाओं में बहने के बजाय व्यावहारिक सोच अपनाने से अपने अधिकार हासिल करने की सजगता आती है। अपने अस्तित्व की चेतना को बल

मिलता है। स्वतंत्र होने के यही सही मायने भी हैं। अमेरिकी गायक और गीतकार जिम मॉरिसन के शब्दों में 'स्वतंत्र होने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका वह होना है, जो आप वास्तव में हैं। अगर किसी एक भूमिका के लिए आप अपनी वास्तविकता को छोड़ते हैं। एक खास काम के लिए अपनी भावनाओं

से दूरी बनाते हैं। महसूस करने की अपनी क्षमता छोड़कर एक मुछोटा पहन लेते हैं, तो यह आजादी नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर व्यक्तिगत क्रांति हुए बिना बड़े पैमाने पर कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। इस रेवोल्यूशन को पहले आपके अंदर होना होगा। हर स्त्री को यह समझना चाहिए और अपने जीवन में उतारना चाहिए।

विचार

आधी आबादी को ऐसे मिलेगी पूरी आजादी

अपने देश को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं। इतना वक्त बीतने के बाद भारतीय महिलाओं के संदर्भ में आजादी के क्या मायने हैं? वे कौन से सामाजिक, राजनैतिक कारण हैं, जिससे देश की महिलाएं संपूर्ण आजादी से अभी भी वंचित हैं? महिलाएं संपूर्ण आजादी हासिल करने के लिए स्वयं किस तरह के प्रयास या संघर्ष करें, जिससे उनका बहुमुखी विकास हो? अलग-अलग क्षेत्रों की दो जानी-मानी महिलाएं सहेली से साझा कर रही हैं अपने विचार।

सामर्थ्य और चेतना से मिलेगी पूरी आजादी सूर्यबाला, साहित्यकार



आजादी की बात करने से पहले आजादी का मतलब समझना होगा। आजादी का मतलब अनियंत्रित उच्छृंखलता या अनुशासनहीनता नहीं है। स्त्रियों के संदर्भ में बात करें, तो स्त्री की आजादी का यह भी तात्पर्य नहीं है कि जो-जो पुरुष कर रहा है, वह सब स्त्री भी करे। आजादी हमारा संवैधानिक अधिकार तो है ही! साथ ही यह हमारी संवेदना की चीज है। यह हमारी सोच और समझ से जुड़ी है। सोच-समझ बदलने से ही वास्तविक आजादी प्राप्त होगी। भारतीय समाज का जो ढांचा है, उसमें महिलाओं को वो सुविधाएं मिलें, जिसमें वो अपने मन मुताबिक काम कर सकें। स्त्री की संवेदनाओं को, उसकी आकांक्षाओं को, उसके मन को, उसके श्रम को श्रम का सही मूल्यंकन हो। समाज, परिवार उसके महत्व को समझें। उसको सुविधाएं दें। यही महिलाओं के लिए आजादी का सही तात्पर्य है। यदि आज की स्त्री की तुलना हम तीस-चालीस साल पहले की स्त्रियों से करें तब हमें समझते देर न लगेगी कि आज की स्त्री कितनी आजाद है। यह भी समझ आएगा कि स्त्री अपनी आजादी का कितना सदुपयोग व कितना दुरुपयोग कर रही है। मेरे विचार से स्त्री आजादी का जो प्रश्न है, वह कानूनी और संवैधानिक कम और नैतिक-सामाजिक ज्यादा है। पुरुष जब अपनी सोच में उदार होगा तभी स्त्री को उसकी अपेक्षित आजादी मिल पाएगी। हम दशकों से दहेज प्रथा हटाने की बातें कर रहे हैं। लेकिन आज भी यह प्रथा जस की तस कायम है। इसका कारण है हमारा चारित्रिक पतन। इधर कुछ घटनाएं ऐसी घटी हैं, जिनसे स्त्रियों के भी क्रूर रूप को दिखाया है। तो कुल मिलाकर समाज का चारित्रिक पतन हुआ है। जो स्त्री की आजादी में बाधा है। आज की स्त्री अपने प्रकृति प्रदत्त गुणों को छोड़कर पुरुष के गुण-अवगुण को अपना रही है। स्त्री पर तो खुद पुरुष को बनाने की जिम्मेदारी है। वह पुरुष भी की संरक्षिका है। अपने गुणों को छोड़ देगी तो कैसे होगा? स्त्रियों की असली आजादी केवल कानून बनाकर या जबरदस्ती नहीं हासिल की जा सकती। वास्तविक सामर्थ्य और वास्तविक चेतना हासिल करके ही यह आजादी पाई जा सकती है। समाज के प्रति, अपने प्रति, परिवार के प्रति, साथ रहने वालों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की चेतना जागृत होनी चाहिए। हमें सबकी भावनाओं, जरूरतों का भी ध्यान रखकर चलना होगा। सबका सम्मान करना होगा तभी परिवार समाज और विश्व चल पाएगा।

अभी आजादी की लंबी यात्रा तय करनी है

डॉ. रीता गंगवानी (रिटायर्ड लेफ्टिनेंट) पर्सनालिटी ग्रूमिंग एक्सपर्ट

मेरे लिए आजादी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की क्षमता है। आज भारतीय महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि शहरों और गांवों, पढ़ी-लिखी और वंचित महिलाओं के बीच बड़ा अंतर कायम है। इसलिए मैं कहूंगी कि महिलाओं ने आजादी की ओर लंबी यात्रा तय की है, लेकिन मंजिल तक पहुंचना अभी बाकी है। हमारा संविधान महिलाओं को समान अधिकार देता है, लेकिन असली बदलाव सोच बदलने से आती है। आज भी कई परिवारों में बेटियों और बेटों के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाते हैं। कई महिलाएं योग्य होने के बावजूद केवल इसलिए पीछे रह जाती हैं, क्योंकि उन्हें अवसर या समर्थन नहीं मिलता। कई बार महिलाएं अपनी क्षमता को कम आंकती हैं। वर्र्ण से बनी सामाजिक धारणाएं उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं। मेरा मानना है कि जब परिवार, समाज और व्यवस्था, तीनों मिलकर महिलाओं पर विश्वास करेंगे, तभी वास्तविक आजादी का सपना पूरा होगा। महिलाएं शिक्षा को अपनी ताकत बनाएं। संवाद कौशल, आर्थिक समझ, डिजिटल ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुण भी विकसित करें। महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी बहुत आवश्यक है। महिलाओं के संदर्भ में स्वतंत्र भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब हर बेटी यह विश्वास लेकर बड़ी हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। जिस दिन हर महिला बिना डर, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ अपनी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग कर पाएगी, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे।



प्रस्तुति: सरस्वती रमेश, अंशु सिंह

रेसिपी
प्रतिमा अग्निहोत्री

हरियाली तीज (15 अगस्त) के मौके पर हम आपको बता रहे हैं, कुछ स्पेशल मीठे-चटपटे व्यंजनों की रेसिपी। इन्हें बनाइए और परिवार के संग हरियाली तीज करें सेलिब्रेट।

हरियाली तीज पर बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन माल पुआ



सामग्री

(घोल के लिए) मैदा-1 कप, सूजी-1/4 कप, दूध-1/2 कप, पानी-1/2 कप, चीनी-1 टीस्पून, दरदरी कूटी सौंफ-1/2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, ताजा दही-1 टेबल स्पून, तलने के लिए-घी या तेल (चाशनी के लिए) चीनी-1 कप, पानी-1/2 कप, इलायची 3-4, केसर के धागे-6

बेड़नी पूरी

सामग्री

गेहूं का आटा-2 कप, सूजी-1/4 कप, तेल-2 टीस्पून, धुली उड़द दाल-1/2 कप, अदरक-1 छोटी गांठ, हरी मिर्च-3, सौंफ दरदरी पिसी-1/4 टीस्पून, जीरा-1/4 टीस्पून, हींग-1 चुटकी, लाल मिर्च पावडर-1/2 टीस्पून, हल्दी पावडर-1/4 टीस्पून, गरम मसाला-1/2 टीस्पून, नमक-1 टीस्पून, मोयन के लिए तेल-1 टीस्पून, तलने के लिए तेल-आवश्यकतानुसार

फूट रायता



विधि

रात भर भीगी हुई दाल को हरी मिर्च और अदरक के साथ मिक्सी में पल्स मोड पर बिना पानी के पीस लें। अब आटे में सूजी, पिसी दाल, सभी मसाले और मोयन अच्छी तरह मिलाएं। धीरे-धीरे मसलते हुए आटे को पूरी जैसा सख्त गूंथ लें। आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। तैयार आटे को सूती कपड़े से ढंककर 20 मिनट के लिए रख दें। 20 मिनट के बाद छोटी सी लोई लेकर पूरी बेलें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलकर बटर पेपर पर निकाल लें, फिर आलू की सब्जी के साथ सर्व करें।

सामग्री

हंग कर्ड (गाढ़ा या चक्का दही)-2 कप, मोटे-बंटे फल-2 कप (सेब, केला, आम, अंगूर, अनार), बारीक कटी मेवा-1 टेबल स्पून, चीनी-2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, गार्निशिंग के लिए पुदीने की पत्तियां-4

विधि

दही को भली-भांति फेंट लें ताकि गुठली न रहे। अब इसमें चीनी, इलायची पावडर, कटे फल और कटी मेवा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। सर्विंग बाउल में डालकर पुदीने की पत्तियों से गार्निश करके सर्व करें।

आस्था
आर. सी. शर्मा

सावन की मनोहारी ऋतु में मनाया जाने वाला हरियाली तीज, भारतीय पर्व-संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक व्रत-पर्व भर नहीं, बल्कि प्रकृति, दांपत्य प्रेम, नारी-शक्ति और सामाजिक मेल-मिलाप का भी उत्सव है। यह पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष आगामी 15 अगस्त को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा।

धार्मिक मान्यता: हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक जन्मों तक कठोर तपस्या की थी। उनके अटूट संकल्प और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन मिलन की स्मृति में हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की दिव्य क्रांति के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं अविवाहित युवतियां योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए माता पार्वती की आराधना

हेयर स्टाइल
नैसी गुला

हरियाली तीज के दिन महिलाएं पारंपरिक तौर पर सजती हैं। साड़ी, लहंगा या सूट के साथ मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी और गहनों से अपने लुक को सजाती हैं। लेकिन आकर्षक हेयर स्टाइल के बिना कोई भी फेस्टिव लुक अधूरा लगता है। सही हेयर स्टाइल न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है, पूरे एथनिक लुक को भी निखार देती है।

फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन: जिन महिलाओं के बाल पतले हैं, वे फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन बना सकती हैं। इससे बाल अधिक घने दिखाई देते हैं और चेहरे को भी आकर्षक फ्रेम मिलता है। यह हेयर स्टाइल गोल और ओवल



हरियाली तीज ऐसा बहुरंगी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व है, जिसमें अखंड दांपत्य की कामना के साथ शिव-शक्ति की व्रत-पूजा की जाती है। देश के कई प्रदेशों में यह पर्व पूरे विधि-विधान और सांस्कृतिक उल्लास से मनाया जाता है।

हरियाली तीज: अखंड दांपत्य की कामना-उल्लास का पर्व



करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, सम्पन्न, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। **कई प्रदेशों में मनाते हैं पर्व:** हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व

होती है। महिलाएं नए हरे रंग के वस्त्र धारण करती हैं। हाथों और पैरों में मेहंदी लगाई जाती है तथा सोलह श्रंगार किया जाता है। पूजा स्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमाएं या चित्र स्थापित किए जाते हैं। उन्हें पुष्प, बेलपत्र, फूल, मिठाई और श्रंगार सामग्री अर्पित की जाती है। महिलाएं निर्जला अथवा फलाहार व्रत रखती हैं, हालांकि व्रत की विधि परिवार और परंपरा

दोनों तरह के फेस शेप पर अच्छा लगता है। इसके साथ हल्के झुमके और बिंदी आपके लुक को और निखार देंगे। **गजरे वाला लो बन देगा रॉयल लुक:** हरियाली तीज पर सबसे पसंदीदा हेयर स्टाइल लो बन है। इसे बनाकर उस पर मींगरा या चमेली का गजरा लगाया जाए तो लुक शाही और पारंपरिक दिखाई देती है। यह हेयर स्टाइल साड़ी, सिल्क सूट और बनारसी लहंगे के साथ खूब जंचता है। लंबे समय तक कंफर्टबल भी रहता है। **फिशटेल-साइड ब्रेड से मिलेगा एलिगेंट लुक:** लंबे बालों वाली महिलाओं के लिए फिशटेल ब्रेड या साइड ब्रेड बेहतरीन विकल्प है। इस चोटी को हल्का लूज रखते हुए उसमें छोटे फूल या स्टोन हेयर



एसेसरीज लगाई जा सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक होने के साथ-साथ फोटोजेनिक भी लगता है और पूरे दिन मॉटेन रहता है। **साँफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर**

के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। पूजा के बाद महिलाएं तीज की कथा सुनती हैं, आरती करती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं। इसके साथ ही झूला झूलना, लोकगीत गाना, सामूहिक नृत्य करना और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा है। **बदलते समय में हरियाली तीज:** आज केवल गांव-कस्बों में ही नहीं शहरों-महानगरों में भी हरियाली तीज का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, महिला मंडल और सांस्कृतिक संगठन तीज महोत्सव आयोजित करते हैं। इनमें मेहंदी प्रतियोगिता, लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डिजिटल युग में भी इस पर्व की आत्मा वहीं है- परिवार, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान। साथ ही अब ज्यादातर संरक्षण का संदेश भी इस पर्व से जोड़ा जा रहा है। कई स्थानों पर तीज के अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, जिससे 'हरियाली' का वास्तविक अर्थ केवल प्रतीकात्मक न रहकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प भी सिद्ध होता है। हरियाली तीज का यह पर्व केवल व्रत और पूजा का दिन नहीं, बल्कि जीवन में धैर्य, सम्पन्न, विश्वास और प्रकृति के प्रति कुतज्ञता का संदेश देने वाला उत्सव भी है।

हरियाली तीज पर कैरी करें ये एलिगेंट हेयर स्टाइल

स्टाइल: यदि आप पारंपरिक और मॉडर्न लुक का संतुलन चाहती हैं, तो साँफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइल अच्छा विकल्प है। बालों के ऊपरी हिस्से को हल्के टिविस्ट या छोटी चोटी के साथ पिनअप कर दें और बाकी बाल खुले रखें। इस स्टाइल पर छोटे फूल या पलं हेयर एसेसरीज लगाने से लुक और आकर्षक बन जाता है। **फ्लोरल ब्रेड:** आजकल फ्लोरल ब्रेड काफी ट्रेंड में है। साधारण चोटी में छोटे-छोटे ताजे फूल या आर्टिफिशियल फ्लोरल एसेसरीज लगाकर उसे नया और खूबसूरत रूप दिया जा सकता है। यह हेयर स्टाइल खासकर युवा महिलाओं और नई नवेली दुल्हनों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। **(ब्यूटी एवं हेयर एक्सपर्ट पूजा नागपाल से बातचीत पर आधारित)**

तिरंगा यात्रा को जन-जन और घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें कार्यकर्ता : खंडेलवाल



बुलेट पर तिरंगा लेकर टीटी नगर स्टेडियम पहुंचे सीएम।

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

भोपाल में तिरंगा यात्रा के दौरान उमड़ा जनसैलाब देश की अटूट राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना की ताकत का प्रतीक है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में आमजन को इस अभियान से जोड़कर राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का कार्य करें। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने तिरंगा यात्रा में सहभागिता कर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने रविवार को भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

देशभक्ति के नारों और हाथों में लहराते तिरंगों के बीच हजारों की संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में सहभागिता की। प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि भोपाल की धरती पर उमड़ा तिरंगे का यह सैलाब भारत की अटूट राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना की ताकत को दर्शाता है। हजारों हाथों में लहराता तिरंगा और ‘भारत माता की जय’ के गगनभेदी उद्घोष बता रहे हैं कि देश का नागरिक अपने राष्ट्र के सम्मान और गौरव के लिए पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। तिरंगा यात्रा का संदेश स्पष्ट है राष्ट्र सर्वोपरि है और भारत की एकता, अखंडता तथा सम्मान से बड़ा कुछ नहीं है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीटी नगर स्टेडियम में तिरंगा रैली का शुभारंभ किया।

►► देश के वीर जवानों के शौर्य को नमन करने का अवसर

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि तिरंगा भारत की पहचान ही नहीं, बल्कि उसकी शक्ति और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को यह दिखाया है कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति जब संकल्प में बदलती है, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं रहती। उन्होंने कहा कि आज भारत अपनी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम है, अपने राष्ट्रीय हितों पर दृढ़ता से निर्णय लेता है और वैश्विक मंच पर पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखता है। तिरंगा यात्रा देश के वीर जवानों के शौर्य को नमन करने और प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करने का अवसर है।

यह भी रहे मौजूद

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, मंत्री कृष्णा गौर, धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, विष्णु खत्री, पार्टी के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, गौरव रणदिवे, महापौर मालती राय, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह सहित अन्य मंचासीन रहे।



देशभक्ति के नारों से गूंज उठा आसमान

तिरंगा यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर ‘भारत माता की जय’ और ‘वंदे मातरम’ के उद्घोष के साथ आगे बढ़ रहे थे। हल्की बारिश के बीच भी देशभक्ति का जोश कम नहीं हुआ। टीटी नगर स्टेडियम से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा न्यू मार्केट होते हुए रोशनपुरा चौराह पहुंची और निर्धारित मार्ग से वापस टीटी नगर स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों, जिला पदाधिकारी के साथ बड़ी संख्या में भोपाल के सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी तथा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री नायडू ने की विमानन विभाग की समीक्षा

प्रदेश की 10 एयरस्ट्रिप्स को उड़ान योजना के तहत एयरपोर्ट के रूप में करेंगे विकसित

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में आठ एयरपोर्ट बन चुके हैं। उज्जैन और शिवपुरी में नए एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध 10 उन्नत एयरस्ट्रिप्स को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की योजना है। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत सरकार ने सिंगरौली, सागर, नीमच, छिंदवाड़ा, मण्डला, खण्डवा, रतलाम, मंदसौर, उमरिया एवं शहडोल एयरस्ट्रिप्स को केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत एयरपोर्ट में परिवर्तित करने का प्रस्ताव तैयार किया है।

डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मंत्र में वर्तमान में एयरपोर्ट निर्माण एवं हवाई सेवाओं के विकास-विस्तार के लिए चल रही विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से प्रोत्साहन और मदद मिलते ही इन पर काम प्रारंभ कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने एयर एम्बुलेंस सेवा संचालन की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

► पिछले छह महीने में मध्यप्रदेश के 50 हजार से अधिक यात्रियों ने की हवाई यात्रा



सीएम और केंद्रीय मंत्री ने हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए चल रही गतिविधियों की समीक्षा की।

दस साल में देश में 100 नए एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य रखा

बैठक में केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से संचालित उड़ान योजना का अगले दस साल के लिए विस्तार कर दिया गया है। अब यह योजना वर्ष 2036 तक जारी रहेगी। केंद्र सरकार ने अगले दस साल में देश में 100 नए एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी उड़ान योजना के तहत मंत्र ने सभी प्रस्तावित स्थलों में एयरपोर्ट्स बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित दस एयरस्ट्रिप्स को एयरपोर्ट में बदलने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार पूरी मदद देगी। इसके तहत मध्यप्रदेश में पहले चरण में 5

नए एयरपोर्ट तैयार किए जाएंगे। इनमें सबसे पहले भोपाल से सबसे दूरस्थ नगर निगम सिंगरौली में एयरपोर्ट बनाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव, विमानन विभाग संजय कुमार शुक्ल ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री नायडू को मंत्र में तैयार हो रहे सिविल एविएशन इकोसिस्टम और नई पहलू के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले छह महीने में मंत्र के 50 हजार से अधिक यात्रियों ने हवाई यात्रा का लाभ उठाया है। यह प्रदेश में दिनों-दिन विकसित हो रही हवाई सेवाओं के विस्तार पर यहां के यात्रियों के बढ़ रहे विश्वास का प्रतीक है।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा सबसे पहले मंत्र में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में चलाई जा रही पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा देश में सबसे पहले मंत्र में शुरू हुई है। अब तक 170 से अधिक गंभीर मरीजों को इस सेवा का लाभ मिल चुका है। इनमें से 99 प्रतिशत मरीजों की जान बचा ली गई है। यह सेवा गंभीर मरीजों की जान बचाने में देश का सबसे सफलतम प्रयोग है। आयुष्मान कार्डधारियों को यह सेवा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित इस सेवा में प्रदेश भर में प्रदेश के किसी भी अंचल में रह रहे गंभीर मरीजों को तत्परतापूर्वक उच्च स्वास्थ्य संस्था तक पहुंचाया जाता है।

सीसीटीवी के आधार पर हुई आरोपियों की पहचान कम्प्यूटर-मोबाइल दुकान में हुई चोरी का 48 घंटे में खुलासा

हरिभूमि न्यूज़ ►► कोरबा

उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पास स्थित प्रमोद कंप्यूटर एंड मोबाइल शॉप में हुई चोरी का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। सीसीटीवी फुटेज के सूक्ष्म विश्लेषण और मुखबि की सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त लोहे की सरिया, घटना में इस्तेमाल स्कूटी और 9 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। घटना शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात की है। शनिवार सुबह दुकान खोलने पर शटर का ताला टूटा मिला और गल्ले में रखे 10 हजार रुपये गायब थे। प्रार्थी की शिकायत पर उरगा थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 449/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) और 305(ए) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बरपाली क्षेत्र में पिछले कई महीनों से लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। इसे देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों पर विशेष फोकस किया। दुकान के पास स्थित बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में तीन युवक एक दोपहिया वाहन से आते दिखाई दिए। एक युवक वाहन लेकर सड़क पर खड़ा रहा, जबकि दो अन्य ने शटर का ताला तोड़कर दुकान में प्रवेश किया। फुटेज में आरोपियों के चेहरे और वाहन का नंबर भी स्पष्ट दिखाई दिया। पृष्ठताथ में आरोपियों ने बताया कि वे बिलासपुर से लौट रहे थे। रास्ते में बंद दुकान देखकर उन्होंने चोरी की योजना बनाई।

नकदी, स्कूटी सहित अन्य सामान जब्त

पुलिस ने दबिश देकर सुवराज सिंह राजपूत (19), पिता दीनदयाल सिंह राजपूत, निवासी 15 ब्लॉक, पप हाउस, कोरबा को गिरफ्तार किया। उसके साथ शामिल दो विधि से संघर्षरत बालकों को भी अभिरक्ष में लिया गया। आरोपितों से 9 हजार रुपये नकद, लोहे की सरिया और घटना में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की गई है। मुख्य आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि दोनों नाबालिगों के विरुद्ध किशोरा न्याय अधिनियम के तहत कार्यवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जब्त दोपहिया वाहन के लोहरे रंग और सीसीटीवी निगरानी बढाई गई है। उन्होंने व्यापारियों से दुकानों में सीसीटीवी कैमरे और अलार्म सिस्टम लगाने की अपील की।

आकाशीय बिजली गिरने और भारी बारिश की संभावना प्रदेश में मानसून मेहरबान, औसतन सामान्य 100.9 प्रतिशत हुई बारिश

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस साल मानसून मेहरबान है। मानसून पूरी तरह से एक्टिव है। प्रदेश में अब तक औसत सामान्य वर्षा का 100.9 प्रतिशत बारिश हुई है। 1 जून से 9 अगस्त की अवधि में राज्य में औसतन 647.3 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों की औसत वर्षा (641.3 मि.मी.) के आंकड़े को पार कर चुकी है। केवल 9 अगस्त को ही प्रदेश में औसतन 27.9 मिलीमीटर झमाझम बारिश हुई। मौसम

विभाग ने आज कई स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है। आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। अगले 24 घंटे में उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और सरगुजा संभाग के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटों में रायपुर शहर में 12 सेमी बारिश दर्ज की गई, इसके अलावा पथरिया में 16 सेमी, लोरमी में 11 सेमी, लाभांडी और लालपुर में 10-10 सेमी, भाउपारा, मुंगेली और सिमगा में 9-9 सेमी बारिश हुई, तखतपुर और बागबाहरा में 8-8 सेमी बारिश दर्ज की गई।

आईआईएफएल फाइनेंस ने महिलाओं के लिए विशेष गोल्ड लोन योजना शुरू

नई दिल्ली। एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, आईआईएफएल फाइनेंस ने आज स्वतंत्रता दिवस से पहले महिला उधारकर्ताओं के लिए एक विशेष गोल्ड लोन पेशकश की घोषणा की। इसे महिला उद्यमियों और गृहणियों को घर में रखे निष्क्रिय सोने को उत्पादक पूंजी में बदलने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सुविधा पूरे भारत में आईआईएफएल फाइनेंस की गोल्ड लोन शाखाओं में उपलब्ध है। यह योजना महिला उधारकर्ताओं के लिए शून्य प्रोसेसिंग फीस पर 0.81 प्रतिशत प्रति माह 9.72 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होने वाली विशेष ब्याज दर प्रदान करती है। यह योजना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लोन-टू-वैल्यू सीमा के भीतर, ग्राहक के सोने के एवज में अधिकतम अनुमेष ऋण राशि भी प्रदान करती है। आईआईएफएल फाइनेंस के प्रमुख गोल्ड लोन, मयंक शर्मा ने कहा लाखों भारतीय महिलाओं के लिए, अलमारी में रखा सोना उनकी सबसे मूल्यवान संपत्ति है, और पीढ़ियों से इसका कोई उपयोग नहीं हुआ है। एक गोल्ड लोन बिना उनसे इसे दूर किए, इस स्थिति को बदलता है - वह इसे गिरवी रखती हैं, उधार लेती हैं, चुकाती हैं, और उनके आभूषण घर वापस आ जाते हैं। इस योजना के साथ हमने उन दो चीजों को दूर करने की कोशिश की है जो पहली बार ऋण लेने वाली महिला को पीछे खींचती हैं: ऋण की लागत और आवेदन करने की लागत। शून्य प्रोसेसिंग फीस एक सुविचारित संदेश है कि एक महिला उधारकर्ता का स्वागत है। स्वतंत्रता दिवस से पहले, यह बात करना बिल्कुल सही लगता है - भारत के अधिकांश परिवारों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता की शुरुआत एक महिला द्वारा अपनी संपत्ति को काम में लाने का निर्णय लेने से होती है।



प्रागैतिहासिक शैलचित्रों और प्राकृतिक-सांस्कृतिक विरासत को करीब से किया अनुभव

भीमबेटका में ब्रिक्स डेलीगेट्स ने मानव और प्रकृति के हजारों साल पुराने रिश्तों को करीब से जाना

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह एवं मंत्री समूह के डेलीगेट्स ने रविवार को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका रॉक शैल्ट्स का भ्रमण किया। दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, रूस और चीन सहित ब्रिक्स देशों से आए 15 से अधिक डेलीगेट्स ने हजारों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता, प्रागैतिहासिक शैलचित्रों और प्राकृतिक-सांस्कृतिक विरासत को करीब से अनुभव किया।

मन्न की प्रागैतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई। गाइडेड हेरिटेज टूर के दौरान ब्रिक्स डेलीगेट्स ने विभिन्न शैलाश्रयों का भ्रमण किया और इन



ब्रिक्स डेलीगेट्स ने भीमबेटका में मानव और प्रकृति के हजारों साल पुराने रिश्तों को करीब से जाना।

चित्रों के माध्यम से प्रागैतिहासिक मानव की जीवनशैली, उसकी सामाजिक गतिविधियों तथा प्रकृति एवं वन्यजीवों के साथ उसके संबंध को समझा। विशेष रूप से हाथी, गौर, हिरण,



बंदर, जंगली सूअर जैसे वन्यजीवों के चित्रों ने प्राचीन मानव के जीवन और उसकी कलात्मक अभिव्यक्ति में प्राकृतिक दुनिया के महत्वपूर्ण स्थान को दर्शात किया।

10 राज्यों में 20 हजार युवाओं को मिलेगी एआई ट्रेनिंग

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपने सीएसआर कार्यक्रम 'सैमसंग इनोवेशन कैम्प' के 2026 एडिशन को लॉन्च किया है। कार्यक्रम के तहत 10 राज्यों में 20,000 युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं को तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के लिए जरूरी कौशल उपलब्ध कराना और देश में एआई के लिए तैयार कार्यबल तैयार करना है। सैमसंग इस कार्यक्रम को इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया और टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल के साथ मिलकर संचालित करेगा। 18 से 25 वर्ष की उम्र के युवाओं को व्यावहारिक एआई प्रशिक्षण, प्रोजेक्ट आधारित सीख, मार्गदर्शन और वास्तविक दुनिया में तकनीक के इस्तेमाल से जुड़ा अनुभव दिया जाएगा। सैमसंग के अनुसार, 2022 में शुरुआत के बाद से सैमसंग इनोवेशन कैम्प के तहत देशभर में 26,500 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। पिछले साल प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं में 48 प्रतिशत महिलाएं थीं। सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि एआई भारत के लिए बड़ा अवसर है और देश के युवा इस बदलाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के जरिए युवाओं को एआई से जुड़ा ज्ञान, आत्मविश्वास और व्यावहारिक अनुभव देने पर काम कर रही है। कंपनी के मुताबिक, कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को तेजी से बढ़ते एआई क्षेत्र में करियर के लिए तैयार करना और भारत की एआई प्रतिभा को मजबूत करना है। यह पहल भारत के एआई क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों के अनुरूप युवाओं को उद्योग से जुड़े कौशल देने पर केंद्रित है।

सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग का आगाज, ओपन ट्रायल शुरू

नई दिल्ली। देश के उभरते क्रिकेट सितारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अवसर प्रदान करने की दिशा में एस.टी.सी.एल. स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग के राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज अभियान का शुभारंभ किया। सोमवार को नई दिल्ली स्थित पांच सितारा होटल ली मैरिडियन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लीग की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च कर देशभर में होने वाले ओपन ट्रायल की घोषणा की गई। कार्यक्रम में पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा, पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा, एसटीसीएल के चेयरमैन राजेश झा, वाइस चेयरमैन रवि चिकारा और डायरेक्टर मुकेश कुमार सिंह सहित क्रिकेट जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसटीसीएल के कमिश्नर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी में कुछ बड़ा हासिल करने की क्षमता होती है, लेकिन उस प्रतिभा को सही अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग की जरूरत होती है। सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग में देशभर की 8 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी। लीग के सभी मुकाबले समराज क्रिकेट स्टेडियम, नाथद्वारा, राजस्थान में आयोजित किए जाएंगे। देश के प्रमुख शहरों में चरणबद्ध तरीके से ओपन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इस बात यह है कि इन ट्रायल्स के लिए पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। प्रतिभा खोज अभियान के पहले चरण में लखनऊ, पटना और कोलकाता, दूसरे चरण में मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु, जबकि तीसरे चरण में चंडीगढ़, जयपुर और दिल्ली में ओपन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे।

शैलचित्र सुनाते हैं मानव और प्रकृति के रिश्ते की कहानी

भीमबेटका के रॉक शैल्ट्स में शैलचित्र केवल प्राचीन कला के उदाहरण नहीं हैं, बल्कि वे मानव और उसके प्राकृतिक परिवेश के बीच हजारों वर्ष पुराने संबंध की झलक भी प्रस्तुत करते हैं। यहां पाए जाने वाले चित्रों में वन्यजीव, मानव आकृतियां, शिकार के दृश्य, सामूहिक गतिविधियां तथा प्रकृति के साथ मानव के जुड़ाव को अभिव्यक्त किया गया है।

भीमबेटका में 750 से अधिक रॉक शैल्टर्स

भीमबेटका में 750 से अधिक रॉक शैल्टर्स हैं, जिनमें 100 से अधिक शैलाश्रयों में चित्र पाए गए हैं। इन चित्रों में अलग-अलग कालखंडों की कलात्मक परंपराओं की निरंतरता दिखाई देती है। कुछ चित्रों में शिकार और सामूहिक गतिविधियां दिखाई देती हैं, जबकि बाद के चित्रों में जुलूस, योद्धाओं और सामूहिक अनुष्ठानों जैसे दृश्य भी मिलते हैं। डेलीगेट्स के साथ यह अनुभव केवल पुरातात्विक स्थलों के संग्राम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कला के माध्यम से मानव सभ्यता की विकास यात्रा को समझने का अवसर बना।

चिंतन युवाओं के सब्र का इम्तिहान न लें सरकारें

नीट के बाद अब झारखंड की जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सामने आ रहे विवादों ने देश की भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रांची में सोमवार को जो हुआ, वह केवल छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की घटना नहीं है, बल्कि उस बढ़ते आक्रोश का संकेत है जो देश के युवाओं के भीतर लगातार जमा हो रहा है। झारखंड में हजारों छात्र पिछले 17 दिनों से परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो सोमवार को वे विधानसभा घेराव के लिए पहुंच गए। बैरैकेडिंग टूटी, छात्र विधानसभा गेट तक पहुंचे, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति किसी के लिए भी संतोषजनक नहीं हो सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा सड़क पर उतरने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? प्रतियोगी परीक्षाएं उनके लिए महज एक परीक्षा नहीं होतीं। इनके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक संघर्ष और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है। जब परीक्षा में पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़े या धांधली के आरोप लगते हैं तो चोट केवल एक परीक्षा पर नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं का भरोसा टूटता है। हर बार परीक्षा में धांधली के पीछे दो गंभीर आशंकाएं सामने आती हैं। पहली पैसे या प्रभाव के जरिए पेपर पास करवाना और नौकरी पाना। दूसरी, पैसे के दम पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या गोपनीय सामग्री तक पहुंच बनाने का खेल। इनमें सरकार के नुमाइंदों और जो एजेंसी पेपर करवा रही है, उसके अफसरों की मिलीभगत सामने आती है। कुल मिलाकर अफसर चंद रुपयों के लालच में युवाओं के भविष्य का सोदा कर बैठते हैं और छात्र आंदोलन को मजबूर होते हैं। यदि इन आशंकाओं में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ संगठित खिलवाड़ है। इसमें किसी भी स्तर पर अधिकारी, कर्मचारी, परीक्षा एजेंसी या बाहरी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश बने। यदि छात्रों को परीक्षा में गड़बड़ी का संदेह है तो सरकार को उनके सामने जांच की प्रक्रिया, तथ्य और रिपोर्ट रखनी चाहिए। अगर आरोप गलत हैं तो प्रमाण के साथ स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और अगर गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के नाम सामने आने चाहिए। सरकारों को भर्ती परीक्षाओं के लिए ऐसी पारदर्शी और सुरक्षित व्यवस्था बनानी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा करने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम जारी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय हो। संवेदनशील प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और एजेंसियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। सबसे इम्तिहान लेने के बजाय उनके भरोसे की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही ही वह रास्ता है, जिससे सड़कों पर उतरते युवाओं को फिर से किताबों और अपने भविष्य की ओर लौटना जा सकता है।

विशेष

अनुभव शर्मा

भगवान महादेव का प्रिय है विदेशी धतूरा

धतूरे: पूजन शंभो: सर्वकामफलप्रद।

विषनाशकरं चैव सर्वसौभाग्यवर्धन॥

(अर्थात: भगवान शिव का धतूरे के फूलों या फलों से पूजन करना सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला, विष यानी नकारात्मकता और कष्टों का नाश करने वाला तथा समस्त सौभाग्य को बढ़ाने वाला होता है।)
भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने का महात्म्य दर्शाने वाला यह प्राचीन श्लोक है। परंतु यह आश्चर्यजनक है कि महादेव का प्रिय धतूरा मूलत: भारतीय ही नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर के उस पार स्थित अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको की मूल प्रजाति है, जिसका वैज्ञानिक नाम डालुरा स्ट्रामोनियम है। पशुपति नाथ की संघव मुहरों से लेकर ऋग्वेद के रुद्र शिव तक भारत में शैव पूजा का हजारों वर्ष प्राचीन इतिहास है इसी कारण शिव आदिदेव भी कहे जाते हैं परन्तु धतूरे को वनस्पति शास्त्री मूलत: मेक्सिको का पौधा बताते हैं जो बाद में भारत पहुंचा, परन्तु प्रश्न है कब और कैसे। लगभग दो हजार वर्षों पहले इसका उल्लेख चरक संहिता में 'उन्मत्त' या 'धतूर्' के रूप में मिलता है, जो इसे भ्रम पैदा करने वाली औषधि बताते हैं। वहीं, महर्षि सुश्रुत इसे कुत्तों के काटने से होने वाले रोग 'रेबीज' के उपचार में उपयोगी मानते हैं। वात्स्यायन के कामसूत्र के अनुसार, नागरक या शहरी लोग धतूरे को तौबूल (पान) के साथ मिलाकर एक सुगंधित लेप तैयार करते थे। महाकवि बाणभट्ट अपनी रचना 'हर्षचरित' में विंध्यचल के वनों की आटविक (जंगली) जातियों द्वारा तंत्र में प्रयुक्त औषधि के रूप में इसका उल्लेख इस प्रकार करते हैं।

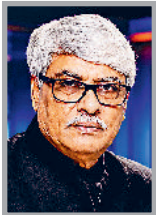
उद्भूत-धतूर्-प्ररोह-संकुलैः, प्राप्रणीकृत-शबर-पल्लव-कुटीरैः....

(भावार्थ: वह विंध्य के जंगल का क्षेत्र था, जो बाहर निकले हुए धतूरे के पौधों के अंकुरों से घिरे हुए थे और जहां शबरों जंगली जातियों की पत्तों से बनी कुटियाएं थीं।)
चोल काल के प्रसिद्ध ऐरावतेश्वर मंदिर में भगवान शिव की कंकाल मूर्ति की जटाओं और आभूषणों में धतूरे के फूल का अंकन मिलता है। इन साक्ष्यों से यह जाहिर है कि धतूरा ईस्वी सन के आस-पास ही भारत भूमि में आ चुका था, जबकि इसके पहले वेदों, उपनिषदों या फिर सैन्धव सभ्यता में यह पूर्णतः अनुपस्थित मिलता है। प्रश्न यह है कि फिर यह आदिदेव शिव का प्रिय फूल कैसे हुआ?
कोलम्बस की अमेरिका की खोज (1492 ईस्वी सन) के बाद ही 'नई दुनिया' की वनस्पतियां एशिया और यूरोप के संपर्क में आईं, जिसमें आलू, टमाटर, मिर्च, कद्दू से लेकर तंबाकू जैसी आज की प्रचलित किस्में शामिल हैं। फिर धतूरा ईस्वी सन की शुरुआत में भारत तक कैसे पहुंचा? क्या प्री-कोलम्बस काल में भी अमेरिकी महाद्वीप से भारतीय संपर्क हुआ था? यह इतिहास की अबूझ पहली है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के नवीन अनुसंधानों में यह साबित हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया के मूल नेटिव आदिवासियों में लगभग 4000 साल पहले भारतीय डीएनए पाए गए हैं, जो द्रविड़ एवं तटीय भारतीय व्यापारिक संबंधों की पुष्टि करते हैं, परंतु मैक्सिको के संदर्भ में ऐसे किसी भी आदान-प्रदान के साक्ष्य कोलम्बस से पहले नहीं मिलते। हालांकि, ऐसी विकास अवधारणाओं को 'अभिसारी विकास' के रूप में भी देखा जाता है। जब अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले जीवों या पौधों को पर्यावरण, जलवायु या जीवनशैली की लगभग एक जैसी चुनौतियां मिलती हैं, तो प्रकृति उन्हें जीवित रहने के लिए समान शारीरिक या जैविक रूप ढालने पर मजबूर कर देती है। पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन से निकले विष पान के कारण भगवान शिव को 'नीलकंठ' कहा गया है। कालकूट विष की उष्णता इतनी अधिक थी कि देवताओं और ऋषियों ने शिवजी को इस महापीड़ा को शांत करने के लिए उन्हें ठंडी प्रकृति वाली और विष का प्रभाव काटने वाली औषधियां अर्पित कीं। कालकूट विष के प्रचंड ताप से पीड़ित शिवजी की पीड़ा को शांत करने में धतूरे ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई, इसलिए भगवान शिव को धतूरा अतिप्रिय माना गया है। हैरत की बात यह है कि धतूरे की तरह ही पीला कनेर का फूल भी मैक्सिको से पुर्तगालियों द्वारा पंद्रहवीं सदी में ही आया था (हालांकि सफेद कनेर भारत में पहले से होता था) और यह पीला कनेर भी शिव पूजन में अत्यधिक लोकप्रिय है। किसी जीव द्वारा या समुद्र में बह कर आने के विषय पर शोध आवश्यक है। इसलिए मध्य काल के कवि बिहारीदास के शब्दों में

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय,
वा खण्ण बौराय जण, इह पाए बौराय।

इसी 'कनक' (धतूरे) की मादकता का भारत में विशेष धार्मिक व सांस्कृतिक प्रभाव आज भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

(लेखक अरर सचिव, लोक मन्त्र, रायपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



सीमा विवाद

ओमकार चौधरी

भारत–चीन सीमा विवाद अब केवल जमीन और सीमा रेखा का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह नक्शों, नामों और ऐतिहासिक दावों की लड़ाई में बदल चुका है। चीन अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रा के नाम बदलकर **ओमकार चौधरी** और **दर्रा के नाम बदलकर उन्हें अपने नक्शों में शामिल** करता रहा है। वहीं, भारत ने हर बार चीन के इन प्रयासों को खारिज किया है। अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 महत्वपूर्ण स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानक नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल किए हैं। यह कदम केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि चीन की नामकरण रणनीति का संस्थागत जवाब है। संदेश स्पष्ट है :– अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।

माता-पिता के अपमान को भगवान भी माफ नहीं करते

चाणक्य ने अपनी नीतियों में एक ऐसे काम का जिक्र किया है जिसे महापाप की श्रेष्ठ में रखा गया है और इस कार्य को करने वालों को भगवान कभी भी माफ नहीं करते हैं। चाणक्य नीति अनुसार व्यक्ति के शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं शब्द ही ऐसी चीज है जो बिना हथियार के ही दूसरों को घायल कर सकते है। इसलिए चाणक्य कहते हैं जो लोग ईश्वर स्वरूप माता पिता को अपशब्द बोलकर उनका अपमान करते हैं ऐसे लोगों को भगवान कभी माफ नहीं करते है यह ऐसी गलती है जो महापाप की श्रेष्ठी में आती है। माता पिता को अपशब्द कहने वाले लोगों को हर ओर से कष्ट उठाना पड़ता है ऐसे लोगों को माता पिता भले ही माफ कर दें लेकिन ईश्वर इन्हें कभी माफ नहीं करता है। माता पिता को अपशब्द कहना ही जीवन में सबसे बड़ा महापाप है। चाणक्य की मानें तो जो लोग माता पिता का दुख तोड़ते हैं उन्हें भला बुग कहते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर कभी क्षमा नहीं करता है बल्कि इन्हें कष्ट उठाना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि माता पिता को हमेशा खुश रखना चाहिए। ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे उनके दिल को ठेस पहुंचे। इस संसार में माता-पिता का ऋण कोई भी नहीं चुका सकता।

संकलित

दर्शन



करंट अफेयर

पाक में मिला अनोखा फंगस जो चटकर जाएगा प्लास्टिक को

दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे की बढ़ती समस्या के बीच पाकिस्तान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। राजधानी इस्लामाबाद के एक नगरपालिका कचरा निपटान स्थल की मिट्टी से अलग किए गए एक अनोखे फंगस एप्सरगिलस ट्युबिगैसिस ने पोलिएस्टर पॉलीयुरेथेन नामक अत्यंत टिकाऊ प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता दिखाई है। यह प्लास्टिक सिंथेटिक लेदर, कोटिंग्स, कुशन, इन्सुलेशन सामग्री और कई औद्योगिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और आम वातावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता। शोधकर्ताओं ने लेब में कल्चर और मिट्टी में दफनाने के विस्तृत प्रयोगों के जरिए इस फंगस की क्षमता का गहन परीक्षण किया। अध्ययन में इसे एप्सरगिलस ट्युबिगैसिस की पॉलीयुरेथेन को खराब करने की क्षमता का पहला रिपोर्ट ममला बताया गया था। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ चेतावनी दी है कि इन नतीजों को अतिरंजित नहीं समझना चाहिए। प्रयोग पुरी तरह नियंत्रित लेब परिस्थितियों में किए गए थे। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि फेंका गया पॉलीयुरेथेन गद्दा, जूता या कोई अन्य उत्पाद दो महीने पर्यावरण में रहने के बाद गायब हो जाएगा।

चीन को भारत का करारा जवाब

भारत-चीन सीमा विवाद दशकों पुराना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसने एक नया आयाम ले लिया है। मानचित्रों और नामों की लड़ाई। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रा के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल करता रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपने दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। भारत ने हर बार इसे सिरे से नकारा है और अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के 27 स्थानों के नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल कर एक ठोस और संस्थाात जवाब दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद की जड़ें अंग्रेजों के जमाने में जाती हैं। सन 1914 में शिमला सम्मेलन में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों के बीच एक सीमा रेखा तय की गई थी, जिसे मैकमोहन रेखा कहा जाता है। यह रेखा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और तिब्बत के बीच की सीमा को परिभाषित करती है। भारत इस रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि चीन इसे कभी मान्यता नहीं देता । उसका तर्क है कि तिब्बत के पास उस समय स्वतंत्र रूप से समझौते करने का अधिकार नहीं था।

इसी असहमति के चलते 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश (तब नेफा यानी नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) के कई हिस्सों में घुसपैठ की। थाग ला दर्रा इस युद्ध के शुरुआती संघर्ष स्थलों में से एक था, जबकि लोंग जू क्षेत्र में 1959 में ही, यानी युद्ध से तीन साल पहले, चीनी सैनिकों और भारतीय सुरक्षा बलों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी। युद्ध के बाद चीन ने कुछ इलाकों से पीछे हटने की घोषणा तो की, लेकिन सीमा विवाद कभी सुलझा नहीं। 1972 में नेफा को केंद्र शासित प्रदेश और फिर 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा देकर अरुणाचल प्रदेश बनाया गया, जो आज भारत के पूर्वोत्तर का एक अभिन्न राज्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपनी भाषा में ‘जॉंगनान’ यानी ‘दक्षिण तिब्बत’ कहता है और इसे तिब्बत का हिस्सा मानते हुए अपना दावा जताता है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर अपना दावा साबित करने की कोशिश करता रहा है, जिसे भारत दृढ़ता से खारिज करता रहा है। यही सोच नामकरण की रणनीति के पीछे भी काम करता है। जगहों को चीनी या तिब्बती नाम देकर यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि इन क्षेत्रों पर चीन का प्रभाव रहा है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नाम बदले थे, और इसे तब दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा के विरोध के तौर पर देखा गया था। इसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। 2021 में चीन ने 15 स्थानों की एक और सूची जारी की, और 2023 में 11 और स्थानों के नाम बदले गए। इन नामकरणों में गांव, नदियां,

पहाड़ और यहां तक कि आवासीय क्षेत्र तक शामिल किए गए हैं। हर बार जब यह सूचियां सामने आईं, भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ा एतराज जताया। इस साल भी जब चीन ने एक बार फिर कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की, तो भारत ने तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने इसे एक शरारतपूर्ण प्रयास करार दिया और दोहराया कि इस तरह की कार्रवाइयां न तो जमीनी हकीकत बदल सकती हैं, न ही भारत की संप्रभुता पर कोई असर डाल सकती हैं। विश्लेषक इस पूरी प्रक्रिया को मानचित्रण संबंधी आक्रामकता यानी कार्टोग्राफिक अग्रेशन कहते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है। चीन 2017 से समय-समय पर



अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की सूचियां जारी करता रहा है। इसका मकसद सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दस्तावेजों और मानचित्रों के जरिए धीरे-धीरे यह स्थापित करना है कि इन क्षेत्रों पर चीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अधिकार रहा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का हाल का कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं के मानक नामों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र में औपचारिक रूप से शामिल किया है। इस सूची में शामिल स्थानों में सामरिक और ऐतिहासिक महत्व साफ झलकता है ।

लोंग जू : यह वही क्षेत्र है जहां 1959 में भारत-चीन सैनिकों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी, और जो आज भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएससी) के करीब स्थित है। थाग ला दर्रा :1962 के युद्ध के शुरुआती संघर्षों का गवाह व सामरिक रूप से बेहद ऊँचाई पर स्थित महत्वपूर्ण दर्रा। **जयरामपुर** : चांगलांग जिले में स्थित यह रसद केंद्र पूर्वी सीमा क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है और म्यांमा सीमा की ओर सुरक्षा बलों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है।

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। ठीक उसी प्रकार गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अद्वय, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्त्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सात्वत मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परंपरा को अपने साथ लेकर चलना होगा।



कोई गोली नहीं चली

जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी बल फैला रहे हैं। गुलशन। हर बात का जवाब देने को तैयार। अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से मागेगा नहीं। -जेपी नड्डा, कैदीय तंत्री

विपक्ष की तीन मांगें

विपक्ष की तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली- जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन गुनाओ पर गोली चलाने की निम्नकारी सफ़्ट हो। दूसरी-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के लिए माफ़ी मांगें और तीसरी- रात मंदिर ने चोरी के मुद्दे पर सस्पेंड में चर्चा की जाए, सरकार दोषियों को न बचाए। -राहुल गांधी, नेता विपक्ष

संसद चले

अगर कैदीय गृह तंत्री जंतर-मंतर पर हुई घटना या वहां हुए विशेष-प्रदर्शन से निगटने के दौरान हुई घटनाओं के बारे में सदन में सवालों का जवाब देते है और इससे संसद का कामकाज फिर से शुरू हो जाता है, तो यह अच्छी बात है। लोग चाहते है कि संसद चले। संसद चलाने में बहुत पैसा खर्च होता है। -उमर अह्मदुल्ला, सीएन, जम्मू-कश्मीर

वीबी-जी रामजी में सुधार करें

एक जुलाई से मगरगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह ले चुकी वीबी-जी रामजी योजना अपने पहले ही महीने में बुरी तरह फेल साबित हुई है। ठेक सरकार योजना की खामियों को दूर करे व लोगों को राहत दे। -अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फ़ैक्स :

0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से :

hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

विचार हरिभूमि 8

खबर संक्षेप

एयरटेल बिजनेस-आईटीआई ने किया समझौता



नई दिल्ली। भारती एयरटेल की कारोबार-से-कारोबार (बी2बी) इकाई एयरटेल बिजनेस और सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने उद्यमों को डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने के लिए समझौता किया है। आईटीआई लिमिटेड के कोटे का लाभ उठाकर सार्वजनिक क्षेत्र, एयरटेल बिजनेस की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत फोर्ज को 89.89 करोड़ का घाटा



नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुषंगी इकाई के पुनर्गठन के लिए किए गए प्रावधान के कारण बड़े घाटे में गरी।

‘आश्रयम’ टाउनशिप’ के दूसरे चरण की शुरुआत



नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी अपशील इन्फ्राटेक प्राइवेट लि. ने लखनऊ में अपनी टाउनशिप परियोजना ‘आश्रयम’ के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। कंपनी इस चरण में करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। ‘आश्रयम’ एकीकृत भूखंड आधारित टाउनशिप परियोजना का दूसरा चरण लगभग 11.25 एकड़ में फैला है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल	
	कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
	मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आएगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
	नौकरी में कांक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।
	परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।
	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है।। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।
	बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।
	नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुप्रासुद खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।
	भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।
	व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।
	परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।
	मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।
	तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल भारत

आईपीओ बाजार में भारत की धूम, 360 से ज्यादा इश्यू से जुटे 1.9 लाख करोड़

एजेसी ►► नई दिल्ली

घरेलू कंपनियों ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 में 360 से अधिक आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए जुटाए। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल रहा। हालाँकि, सूचीबद्ध होने के बाद मिलने वाले लाभ और शेयरों की संख्या के मुकाबले अधिकतम बोलियों में कमी से संकेत मिलता है कि निवेशक अब कंपनियों का चयन अधिक सावधानी से कर रहे हैं। ग्रांट थॉन्टन, भारत की सोमवार को जारी देश के आईपीओ बाजार पर रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव तथा बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनियों की पूंजी जुटाने की गतिविधियाँ मजबूत बनी रहीं।

कंपनियों में बढ़ी निवेशकों की रुचि

रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब उन कंपनियों की ओर अधिक बढ़ी है, जिनकी बुनियाद मजबूत है, कंपनी संचालन व्यवस्था बेहतर है, आय में वृद्धि की स्पष्ट संभावना है और मूल्यंकन अधिक संतुलित है। मुख्य शेयर बाजारों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रिकॉर्ड 109 आईपीओ आए, जिनके माध्यम से करीब 1.77 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में 80 आईपीओ के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर हुए कुल आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही और इस मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी और एक्सेंचर लर्नवैटेज ने एआई आधारित बीटेक, बीबीए कार्यक्रम शुरू किए

वोटर नोएडा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने एक्सेंचर लर्नवैटेज के साथ एक महत्वपूर्ण उद्योग-एकेडेमिया सहयोग किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य उद्योग-एकीकृत स्नातक कार्यक्रमों का एक पोर्टफोलियो शुरू करना है। ये कार्यक्रम छात्रों को कुत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में सफल होने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी, कारोबार और पेशेवर कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह सहयोग गलगोटिया यूनिवर्सिटी की अकादमिक नींव और जीवंत परिसर पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ लाता है। साथ ही, इसमें एक्सेंचर लर्नवैटेज की उद्योग-नेतृत्व वाली सीखने की विशेषज्ञता भी शामिल है। इसका लक्ष्य कक्षा की पढ़ाई और कार्यबल की बढ़ती आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटना है। जैसे-जैसे संगठन तेजी से कुत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड, डेटा और डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपना रहे हैं, नियोत्ता ऐसे स्नातकों की तलाश में हैं। इन स्नातकों में मजबूत मूलभूत ज्ञान के साथ व्यावहारिक और उद्योग-प्रासंगिक क्षमताएं होनी चाहिए। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, यह सहयोग विशेषज्ञतापूर्ण बीटेक और बीबीए डिग्री पेश करेगा। परिसर में एक एक्सेंचर सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज भी स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र इन उद्योग-एकीकृत कार्यक्रमों का समर्थन करेगा। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उम्मीदी प्रौद्योगिकियों और समकालीन उद्योग प्रथाओं से अधिक परिचित कराना है। इससे उन्हें अनुभवात्मक सीखने के अवसर भी मिलेंगे। यह सब उनकी कॅरिअर की तैयारी को बढ़ाएगा।

इस कार्यक्रम के तहत बीटेक इन कंप्यूटर साइंस विद् एआई कोर्स में चार स्पेशलाइजेशन शामिल हैं। इनमें क्लाउड और एआई, एआई के साथ फुल स्टैक डेवलपमेंट, डेटा साइंस, एआई और मशीन लर्निंग, तथा डिजाइन इंजीनियरिंग शामिल हैं। ये विशेषज्ञताएं छात्रों को गहन तकनीकी ज्ञान प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त, बीबीए इंटीग्रेटेड विद् एआई कोर्स दो स्पेशलाइजेशन के साथ हैं। ये स्पेशलाइजेशन एआई- एकीकृत जर्नल मैनेजमेंट और एआई-संचालित सेल्स और मार्केटिंग हैं। छात्रों को अकादमिक शिक्षा,उद्योग-नेतृत्व वाली सामग्री और व्यावहारिक परियोजनाओं का एक संरचित मिश्रण मिलेगा। कार्यक्रम को आधुनिक उद्यमों की जरूरतों के अनुरूप क्षमताएं विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कौन से नए कार्यक्रम और विशेषज्ञताएं उपलब्ध हैं?

छात्रों को इस सहयोग से कैसे लाभ होगा? : छात्रों को आभासी प्रयोगशालाओं, उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत, मूल्यांकन और प्रमाणन का भी लाभ मिलेगा। इसमें कार्यक्रम के सफल समापन पर उन्हें गलगोटियास यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त होगी। इस सहयोग का एक मुख्य अंतर समय सीखने के अनुभव के माध्यम से उद्योग-तैयार प्रतिभा विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना है। अकादमिक और तकनीकी शिक्षा के अलावा, छात्रों को कॅरिअर-तैयारी हस्तक्षेपों तक पहुंच प्राप्त होगी। इनमें पेशेवर कौशल विकास और कार्यस्थल संचार शामिल हैं। उद्योग मार्गदर्शन, साक्षात्कार की तैयारी और रोजगार सहायता भी प्रदान की जाएगी। यह सब छात्रों को कार्यस्थल के लिए पूरी तरह तैयार करेगा।

नरेला पुरानी अनाज मंडी की धर्मशाला में कांवड़ शिविर लगाया गया

नई दिल्ली। नरेला मंडी व्यापारी संग शिव बाबा कांवर सेवा संघ के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पुरानी अनाज मंडी नरेला दिल्ली के धर्मशाला में भव्य सुन्दर सुव्यवस्थित कांवड़ शिविर का आयोजन किया गया है यह शिविर एक अनोखा शिविर है इस शिविर में कांवड़ियों के लिए 24 घंटा भोजन नाश्ता दुध दही चाय फल टिक्की दही मल्ले चिल्ला व मिठाई की व्यवस्था है नरेला पुरानी अनाज मंडी स्थित इस धर्मशाला के दोनों मंजिल में करीब 5000 से 8000 श्रद्धालु विश्राम करते है जिसके लिए शिव कांवर संघ के सभी पदाधिकारी प्रधान, परविंद मारझाज एवं अन्य सदस्य कर्मवीर जी सुरेश मिलत राठी हरपाल त्यागी नेराम राजवीर सिंह संतोष यादव, व नरेला मंडी के प्रधान श्री सुरेश गुप्ता पप्पू जी के द्वारा हर व्यवस्था सुव्यवस्थित तरीके से किया जाता है जैसे घसी होल स्वादिष्ट भोजन नाश्ता के साथ साथ मनोरंजन के लिए शिव पावती की भव्य झांकों के लिए टीम बुलाई गई है संघ से पदाधिकारी व सभी सदस्य 24 घंटे सेवा में लगे रहते है साफ सफाई के साथ साथ 24 घंटे स्वास्थ्य कैप की भी व्यवस्था है।

बाएँ से दाए

1.मूखं,बेवकूफ (उर्दू -4)

5.संपत्ति -4

9.कटि, पीठ -3

10.प्रणाम, नमस्कार-3

12.अधीन-2

14.पितामह-2

15.कार्य-2

16.पराजय-2

17.अच्छे कुल का-3

19.तरंग, हिलार -3

21.एक प्रकार की दाल-3

22.ओस,रखनी जल(उर्दू-4)

24.गान,आकाश-4

25.स्पर्च्छ करना-5

26.आश्चर्यजनक-4

29.जो लायक न हो-4

33.उल्टी,कै-3

34.रनिवास,जनवासा-3

36.पंक्ति,लाइन-3

37.सुर,लय,आलाप-2

38.दंड,शिक्षा-2

शब्द पहेली - 63 14

1	2	3	4	5	6	7		
8		9			10			11
12	13		14		15		16	
17		18		19	20		21	
22			23		24			
				25				
26	27	28				29	30	31
								32
33					34	35		
37				38		39	40	41
								42
				42			43	44
				45			46	

258 एसएमई आईपीओ के जरिए जुटाए 12,030 करोड़

वित्त वर्ष 2025-26 में 258 एसएमई आईपीओ के जरिये 12,030 करोड़ रुपए जुटाए गए, जो पिछले तीन वर्षों की तुलना में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में 242 एसएमई आईपीओ से 9,900 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में भारत का आईपीओ बाजार मजबूत बने रहने की उम्मीद है। घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी, अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक वृद्धि और विस्तृत होते निवेशक आधार से आईपीओ बाजार को समर्थन मिलेगा। जिन कंपनियों की बुनियाद मजबूत होगी और जो आईपीओ के लिए बेहतर तैयारी के साथ आएंगी, वे सार्वजनिक बाजार से पूंजी जुटाने और सूचीबद्ध होने के बाद भी निवेशकों का भरोसा बनाए रखने में अधिक सफल रहेंगी।

डॉलर के सामने 11 पैसे गिरा रुपया, 95.28 के स्तर पर पहुंचा

एजेसी ►► मुंबई

मजबूत डॉलर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच सोमवार को रुपया 11 पैसे कमजोर होकर 95.28 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिम

मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ मार्केट

मुंबई। कच्चे तेल के भाव में तेजी और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली तेजी रही और दोनों मानक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 43 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 13 अंक की तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई संसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 78,542.44 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह उच्चे में 78,676.98 अंक तक गया और नीचे में 78,298.92 अंक तक आया।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने जुलाई 2026 के दौरान माल लोडिंग में 18.1% की वृद्धि दर्ज की

मालीगांव। आवश्यक सामग्रियों के लिए मालगाड़ियों के समयानुकूल परिवहन और कुशल परिचालन के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने जुलाई 2026 के दौरान माल परिवहन में उत्साहजनक वृद्धि दर्ज की है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने इस महीने के दौरान कुल 1.105 मिलियन टन माल की लोडिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष की उर्सा अवधि की तुलना में 18.1% की वृद्धि को दर्शाता है। जुलाई 2026 के दौरान कई प्रमुख सामग्रियों के लोडिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। सीमेंट लोडिंग में 89.6% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि डोलोमाइट लोडिंग में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 42.9% की वृद्धि हुई। इस महीने के दौरान कंटेनर लोडिंग में भी 45.5% की वृद्धि दर्ज की गई,जबकि पेट्रोलियम तेल और लुब्रिकेट्स (पीओएल)लोडिंग में 3.6% की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, जुलाई 2026केदौरान अन्य सामग्रियों केश्रेणी के अर्धन विविध वस्तुओं के लोडिंग में 10.0% की वृद्धि हुई। जुलाई 2026 तक कुल संघयी माल लोडिंग4.135 मिलियन टन तक पहुंच गया,जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.9% की वृद्धि को दर्शाता है। माल लोडिंग में यह निरंतर वृद्धि पूर्वोत्तर और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों को दर्शाती है। इस सतत वृद्धि ने न केवल क्षेत्रीय आपूर्तिश्रृंखला नेटवर्क को मजबूत किया है, बल्कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के राजस्व आय में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे आगामी महीनों में विश्वसनीय परिवहन और माल की आवाजाही में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी प्रगति, परिचालन दक्षता और ग्राहक-केंद्रित माल सेवाओं पर जोर दे रही है।

39.पराजय-2

41.झुका हुआ -2

42.कर्म,भाय्य-3

43.भार-3

45.शूल,गलती (उर्दू-4)

46.भाय्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2

3.मां का दुलार-3

4.ताली की आवाज-4

5.अनुभव-4

6.जुड़वा-3

7.दक्षिणा-2

8.राम के पुत्र-2,2

11.अभिलाषा, -4

13.क्रूस,सूली-3

16.पाचनशक्ति-3

18.ईसाई साध्वी-2

20.जीवनसाथी -5

21.गरबा, नृत्य-2

23.मालिशा-3

24.दर्पण,शीशा-3

26.ईश्वर-4

27.बाग,गुलिस्तां-3

28.क्रिकेट में बनते हैं-2

30.दुलारा,पुत्र-2

31.भरोसा,विश्वास-3

32.करामात-4

34.शेर्बिंग करना-4

35.हाथी साधने वाला-4

38.आसान,सीधा-3

40.कपड़े धोने वाला-3

42.बलगाम-2

44.सरिता-2

शब्द पहेली - 63 13 का हल

क	प	श्व	अ	स	श	मा	या
ल		ही	र	क	ला		हि
व	रा	धी	न	ता	द	अ	सु
ना		र		लु	मार		रु
	सा	ज				सा	या
	व	फि	त	र	त	ह	मा
का	न	क	ल	न	क	व	ज
फि		व	शा	य	र		हा
र	वा	व	म	न	त	श	नि
	द	य	न		रो	ब	दा

जियो ने बढ़ाया ओटीटी-पास का दायरा 550 रुपये में तीन महीने मनोरंजन

नई दिल्ली। फिल्में, वेब सीरीज, लाइव स्पोर्ट्स और टीवी देखने वाले जियो ग्राहकों के लिए अब लंबे समय के ओटीटी-पास भी उपलब्ध होंगे। कंपनी ने 550 रुपये में 84 दिन और 2,000 रुपये में 365 दिन वाले दो नए पास जोड़े हैं। पहले से मौजूद 200 रुपये के पास की वैधता 28 दिन है। तीनों पास में हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड 5जी, 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप्स और जियो टीवी पर 1,000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल्स का एक्सेस मिलेगा। नए ओटीटी-पास, एक साल के सक्रिय बेस प्लान वाले ग्राहकों के लिए होगा। वॉयस-ओनली प्लान इसमें शामिल नहीं हैं। लंबी अवधि का पास लेने पर ग्राहक की लागत भी कम होती है। पहले 200 रुपये का 28 दिन वाला पास अगर ग्राहक तीन बार लेता तो उसे 84 दिनों के लिए 600 रुपये खर्च करने पड़ते, जबकि नया 84 दिन वाला पास 550 रुपये का है। यानी 50 रुपये की सीधी बचत। सालभर के लिए पास पर अब 2400 रुपये के बजाए मात्र 2000 रुपये खर्च करने होंगे। यानी पहले के मुकाबले 400 रुपये कम। डेटा भी अवधि के हिसाब से बढ़ेगा। 200 रुपये के पास में 30जीबी, 550 रुपये के पास में 90जीबी और 2,000 रुपये के सालाना पास में 365 जीबी हाई-स्पीड डेटा मिलेगा।

ट्राई ने की लॉजिस्टिक कंपनियों के लिए 1601 नंबर सीरीज अनिवार्य

एजेसी ►► नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा (बीएफएसआई) तथा सार्वजनिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए अलग 1601 नंबर श्रृंखला केइस्तेमाल का निर्देश दिया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि पहले चरण में 1601 नंबर श्रृंखला का उपयोग बिजली, पानी, रसोई गैस, शहर गैस, कूरियर और लॉजिस्टिक क्षेत्र की कंपनियां अपने ग्राहकों को सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए करेंगी। इन नंबरों का उपयोग किसी भी तरह की प्रचार (प्रमोशनल) कॉल के लिए नहीं किया जा सकेगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कार्यालय— रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, निम्नालिखित कार्य के लिए ई—निविदा आमंत्रित करते हैं।	
1 निविदा संख्या	377788
2 कार्य का नाम और कार्य स्थान	‘आरसीएनके / सोनीपत में LHB कोचों के लिए टॉयलेट मॉड्यूल और नॉन-AC एरिया की मरम्मत और री-पेंटिंग का काम। (कार्यक्षेत्र के अनुसार)’।
3 अनुमानित लागत	रुपये 8,92,78,792.26/- जीएसटी @ 18% सहित
4 बयाना राशि	₹. 7,85,860/-
5 निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
6 कार्य अवधि	स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 12 महीने।
7 निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि तथा खुलने की तिथि व समय	01.09.2026 को 15:00 बजे तक निविदा खुलने की प्रक्रिया उसी दिन 15:15 बजे होगी।
8 निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साइट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in
9 यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

सं.: 377788 दिनांक: 10.08.2026	2754/2026
ग्राहकों की सेवा में मुरकान के साथ	

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता / डीजल, उत्तर रेलवे, डीजल लोको शेड, तुगलकाबाद के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नालिखित कार्य के लिए ई—निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा केवल निम्नलिखित निविदा दस्तावेज में ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी।	
कार्य विवरण	तुगलकाबाद डीजल शेड में, मोंडिकाइड कैब वाले WAP-4 टाइप के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में 180 KVASIV से चलने वाले, प्रत्येक 1750 LPM भग्नात वाले 2 लुब्रिकेटेड कम्प्रेसर को माउंट करने और उनमें बदलाव करने की व्यवस्था।
काम की जाहज	डीजल शेड, तुगलकाबाद, नई दिल्ली — 110044
समापन की अवधि	1 साल
अनुमानित लागत राशि	₹ 31,60,753.31/- GST सहित (इकतीस लाख साठ हजार सात सौ तिरपन रुपये और इकतीस पैसे मात्र)
बयाना राशि	₹63,200/- (केवल तैरसठ हजार दो सौ रुपये)
तकनीकी योग्यता मापदंड	तकनीकी योग्यता मापदंड का विवरण निविदा फॉर्म के दूसरी शीट के खंड 10 पर दिया गया है।
वित्तीय योग्यता मापदंड	वित्तीय योग्यता मापदंड का विवरण निविदा फॉर्म के दूसरी शीट के खंड 10 पर दिया गया है।
ई—निविदा प्रपत्र प्राप्त करने व अपलोड करने की वेबसाइट	www.ireps.gov.in
ई—निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	31.08.2026 को 12:00 बजे तक।
ई—निविदा खुलने की तिथि व समय	31.08.2026 को 12:00 बजे के बाद।
निविदा की वैधता	निविदा खुलने से 60 दिन
निविधान	05-0511-32

निविदा प्रपत्र भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तृत कार्य विवरण, कार्य अनुभव और निवेद व शर्तों के लिए कृपया निविदा प्रपत्र का अवलोकन करें। निविदा सूचना सं— टी.के.डी—मोड—कम्प्रेसर—ओ.टी—26 दिनांक 07.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुरकान के साथ

क	प	श्व	अ	स	श	मा	या
ल		ही	र	क	ला		हि
व	रा	धी	न	ता	द	अ	सु
ना		र		लु	मार		रु
	सा	ज				सा	या
	व	फि	त	र	त	ह	मा
का	न	क	ल	न	क	व	ज
फि		व	शा	य	र		हा
र	वा	व	म	न	त	श	नि
	द	य	न		रो	ब	दा



646 दिन बाद सरफराज की टेस्ट टीम में वापसी, कश्मीर में घटाया 17 किलो वजन

एजेसी ►► नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने से कुछ दिन पहले सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर लिखा था 'हो सकता है मैं टीम में फिट न बैठूँ, लेकिन मैं अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।' इससे उनके दृढ़ संकल्प का पता चलता है लेकिन वह तब की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह अवगत थे।

अब किस्मत ने पलटी खाई और वह फिर से भारतीय टीम का हिस्सा बन गए, जो एक तरह से उनके दृढ़ संकल्प की भी जीत है। साई सुदर्शन के चोटिल होने से सरफराज को भारतीय टीम में जगह बनाने का वह मौका मिल गया, जिसका वे पिछले दो वर्षों से इंतजार कर रहे थे। उन्हें 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने टीम में शामिल होने के लिए 17 किलो वजन भी घटाया।

रणजी ट्रॉफी में लगाया था तिहरा शतक

गुंबई के रहने वाले इस खिलाड़ी के लिए यह वापसी इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी, क्योंकि उन्होंने फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए थे, जिसमें पिछले डेढ़ साल में 17 किलो वजन कम करना भी शामिल था। रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक बनाने के बावजूद सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक भारी भरकम शरीर वाला खिलाड़ी माना जाता था लेकिन अब वह अधिक नुस्त-दुरुस्त दिखते हैं, जिसने निश्चित रूप से उनके टी20 खेल में सुधार हुआ है।



15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल

शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में किया अभ्यास

गुंबई में बेमौसमी की बारिश के कारण अभ्यास करना संभव नहीं था और इसलिए सरफराज कश्मीर चले गए, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारने के लिए शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में घंटों बिताए। इसलिए उनकी वापसी काफी मारने रखती है, क्योंकि 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार बार नाकाम रहने के बाद टीम से बाहर किए जाने की पटा पाना मुश्किल था। यह एक ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें सभी खिलाड़ी असफल रहे लेकिन आखिर में गाज सिर्फ इस 28 वर्षीय खिलाड़ी पर ही गिरी। इसके बाद वे इंग्लैंड गए जहां उन्होंने बेकनहैम में एक 'इट्र-स्क्वाड' मैच (भारत बनाम भारत ए) में शतक बनाने के अलावा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की तरफ से 92 रन बनाए। लेकिन राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी दूर की कोई बनी रही जब तक कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का अपने घरेलू मैदानों पर लचर प्रदर्शन के कारण खतरे की घंटी नहीं बजी।

स्पिन गेंदबाजी खेलने में माहिर सरफराज

सूखों की मानें तो टीम प्रबंधन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ युवाहाटी में दूसरे टेस्ट से पहले सरफराज के बारे में पूछताछ की थी, लेकिन चयन समिति उन्हें वापस टीम में लेने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब सुदर्शन के दाहिने पैर के अंगुठे में लगी चोट के समय पर ठीक नहीं होने के कारण चयन समिति के पास उनकी जगह भरने के लिए तीन विकल्प थे। रतुुराज गायकवाड़, शेख रशीद और सरफराज, जो मौजूदा टीम में कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत के अलावा शायद रिचन गेंदबाजी को खेलने में सबसे माहिर खिलाड़ी है। ध्रुव जुरेल कुछ समय से स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि उत्तर प्रदेश का यह खिलाड़ी 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे।

खबर संक्षेप



ई-स्पोर्ट विश्व कप : ग्रांड फाइनल में भारत की दो टीमों पेरिस। 'ओरेंगुटान' और 'गॉडलाइक ई-स्पोर्ट' ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में 'पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी)' के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीमें बनने का गौरव हासिल किया है। पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली 'फोर श्रावव' से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीजीए सीनियर्स: जीव ने किया सातवां स्थान हासिल



एबरडीन। दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्टेश्योर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड ने एबरडीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंकस में पांच शांटे के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं, जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाई।

लंदन चैंपियनशिप : शीर्ष 20 में प्रणवी और अदिति



लंदन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 66 का कार्ड खेला और संयुक्त 19वें स्थान पर रही जबकि अदिति अशोक ने अंतिम दौर में चार अंडर 69 का स्कोर कर संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया। प्रणवी तीसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद अंतिम दौर की शुरुआत में शीर्ष 30 से बाहर थीं। उन्होंने सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 स्थान की छलांग लगाई। प्रणवी ने 70, 73, 78 और 66 के दौर के साथ कुल 5-अंडर 287 का स्कोर बनाया।

भारतवंशियों की लंदन में धूम, 17 साल के श्रेयस रॉयल की ऐतिहासिक जीत

11 साल की बोधना ने रचा इतिहास, रोमांचक प्लेऑफ में जीता ब्रिटिश शतरंज का खिताब

एजेसी ►► लंदन

भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं।

मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने लॉकडाउन में शुरू किया था खेलना

'इंग्लिश चेस फेडरेशन' (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे वैडमास्टर डैनी गोमाली ने कहा, 'अविश्वसनीय। बोधना जीत गई है। वह कमाल की खिलाड़ी है, एक ऐसी प्रतिभा जो पौढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे, जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'



बोधना ने पूरी की शानदार हैट्रिक

इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है। शतरंज के तेज प्रारूपों में वह पहले ही 'यूके ओपन महिला ब्लिट्ज' चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। अब क्लासिकल प्रारूप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छोटे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई।

श्रेयस ने 9 दौर के बाद हासिल किया शीर्ष स्थान

वहीं श्रेयस रॉयल ने 9 दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी वैडमास्टर को आधे अंक से पीछे छोड़ दिया। अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उमरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।

सिनसिनाटी ओपन चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे नंबर-1 सिनर

एजेसी ►► नई दिल्ली

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नार्थ अमेरिका का उनका दूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप हुई कमजोर

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कोलॉस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे। इसके अलावा, उनका यह फेब्रुआरी का है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रेड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।



नैं अमी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं : सिनर

सिनर ने कहा, अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मार्चर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूँ। सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूँ। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ और अब मेरे ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।

विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत को 3 पदक, पूजा सिंह ने किया निराश

एजेसी ►► न्यूजीन

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की ऊंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है।

वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इजोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटोरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अल्लोसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।



रिले टीम रही अंतिम स्थान पर

पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिया।

विश्व चैंपियनशिप : शी से तीन बार हार चुके हैं 21 वर्षीय शेड्डी युकी से मिड़ेंगे आयुष, आक्रामक खेल से उलटफेर की तैयारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के युवा शटलर आयुष शेड्डी ने कहा कि वह अधिक आक्रामक खिलाड़ी बनने की कोशिशों में लगे हैं और उन्हें विश्वास है कि विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में चीन के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उनकी यह रणनीति कारगर साबित होगी।

विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे आयुष ने कहा कि वह 17 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में किसी बड़े खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे क्योंकि उन्हें वरीयता नहीं मिली है।



आयुष को नहीं मिली वरीयता

आयुष ने कहा, 'मैं ड्रॉ लाइव देख रहा था। जैसे ही मुझे शी के साथ ड्रॉ का पता चला, मैं तैयार हो गया। मुझे वरीयता नहीं मिली है और इसलिए मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार था। विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी आयुष अभी तक शी से तीन बार हार चुके हैं, जिसमें एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (एबीसी) का फाइनल भी शामिल है, लेकिन उनका मानना है कि इससे उन्हें काफी सीख मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उससे तीन बार हारा हूँ। मुझे काफी कुछ सीखने को मिला, खासकर एबीसी फाइनल में। वह रणनीतिक मामलों में मुझसे बेहतर था लेकिन हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैं पहले से ज्यादा मजबूत महसूस कर रहा हूँ।'

इंडोनेशिया के कोच प्रतामा से ट्रेनिंग ले रहे आयुष

आयुष ने कहा, वह निश्चित रूप से कड़ा प्रतिद्वंद्वी है। मुझे एबीसी फाइनल याद है, वह पूरी तैयारी के साथ आया था। मैंने अपने खेल में सुधार किया है। मैं उस मैच के विश्लेषण कर रहा हूँ और मानसिक पहलू पर भी ध्यान दे रहा हूँ। उसके खिलाफ आपको वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी। आयुष इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। वह पीवी सिधु के भी कोच हैं। उन्होंने कहा, 'हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। मैं फुर्तीला, तेज और आक्रामक बनने की कोशिश कर रहा हूँ।' यह युवा खिलाड़ी सिधु के साथ अभ्यास भी कर रहा है, जिससे उन्हें अपने आक्रामक खेल को निखारने में मदद मिली है।

सब जूनियर नेशनल रोडिंग चैंपियनशिप

हरियाणा के खिलाड़ियों ने चार पदक कब्जाए

एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता



हरिभूमि न्यूज ►►रोहतक

7वीं सब जूनियर नेशनल रोडिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के युवा खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से पूरे देश में राउज का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक जीता। इसमें टीम इवेंट में एक स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य पदक जीता। वहीं, सिंगल में मन्नत ने रजत पदक जीता। यह प्रतियोगिता 5 से 10 अगस्त तक कोलकाता में आयोजित की गई। रोडिंग खेल में हरियाणा लगातार उम्र वर्ग में शानदार प्रदर्शन करता आ रहा है। इस सफलता के पीछे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और कुशल मार्गदर्शन का बड़ा योगदान रहा है। टीम को कोच बिजेन्द्र सिंह और टीमक रेडू का बेहतरीन मार्गदर्शन मिला, जबकि हरियाणा रोडिंग सेक्टर की कमल दलाल लगातार

खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कोच चांद ने भी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। अंशु, अक्षय, कार्तिक और जतिन शर्मा ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। शशि, रिया देशवाल, पीपूष और लक्की ने टीम इवेंट में रजत पदक जीता। मयंक, मोहित सिधमार, कृष चहल, अक्षय, निर्मय और ऋतिक ने टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। इन सभी खिलाड़ियों की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि ये सभी छात्र विद्या भारती स्कूल, हैबतपुर के हैं। एक ही स्कूल के बच्चों का राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह छा जाना अपने आप में एक मिसाल और पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। शानदार प्रदर्शन के बाद कल जब यह विजेता टीम वापस लौटेगी, तो जीद में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस ऐतिहासिक जीत ने साबित कर दिया है कि उचित मार्गदर्शन और मेहनत से हरियाणा के युवा हर क्षेत्र में नया मुकाम हासिल कर सकते हैं।



Dr. Ortho
An Ayurvedic Medicine

20% EXTRA
100ml + 20ml FREE



डा. ऑर्थो
आयुर्वेदिक कैप्सुल

Dr. Ortho
100% Ayurvedic Capsules

Dr. Juneja's

डा. ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested*

*For efficacy and safety.



अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

घुटने दर्द, कंधे दर्द, गर्दन दर्द, कमर दर्द एवं कलाई दर्द में सहायक आयुर्वेदिक औषधि

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर की घटना की निंदा, ऐसे कृत्यों को बताया अस्वीकार्य

स्लोवेनिया में भारत विरोधी तत्वों ने दूतावास को पहुंचाई क्षति, दीवारों पर लिखे खालिस्तान के समर्थन में नारे

हरिभूमि ब्यूरो►नई दिल्ली

कनाडा के बाद अब स्लोवेनिया से भारत विरोधी खालिस्तान समर्थकों की नकारात्मक गूंज सुनाई दी है। मामला चिंताजनक है, क्योंकि मध्य यूरोप के इस देश की राजधानी ल्यूब्लियाना में स्थित भारतीय दूतावास परिसर को कुछ भारत विरोधी तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया है। उसकी दीवारों पर भारत विरोधी नारों के साथ आपत्तिजनक सामग्री लिखी गई है। जिसकी जानकारी सामने आने के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय हरकत में आया और उसने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर इस घटना की कड़ी निंदा की है। नई दिल्ली और ल्यूब्लियाना दोनों जगहों पर इस मुद्दे को स्लोवेनियाई अधिकारियों के समक्ष पूरी मजबूती के साथ उठाया गया है। जिसकी मदद से ऐसे निर्दनीय मामलों में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। वहीं, इस घटना को लेकर यह तथ्य भी सामने आया है कि इसमें कुछ खालिस्तानी समर्थक तत्वों की संलिप्तता है।

वियना कन्वेंशन की दिलाई याद

मंत्रालय ने स्लोवेनिया के समक्ष जताए अपने विरोध में मुख्य रूप से उसे वियना संधि की याद दिलाते हुए कहा कि इसके तहत राजनयिक परिसरों की सुरक्षा और उनकी पवित्रता को सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है और यह संबंधित देश की जिम्मेदारी बनती है। इस विषय को राष्ट्रीय राजधानी समेत स्लोवेनियाई अधिकारियों के सामने उठाने का उद्देश्य यही है कि ऐसे निर्दनीय कार्यों के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जा सके। मंत्रालय ने अन्य जगहों के कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भी उक्त समूहों द्वारा फैलाए जा रहे घृणास्पद प्रचार और दुष्प्रचार का सज्जन लेने का आह्वान किया है।

कानून के तहत राजनयिक भारत और स्लोवेनिया के बीच की मिलनी चाहिए सुरक्षा राजनयिक संबंध 1992 से स्थापित

नफरत फैलाने वाले प्रचार से रहें सतर्क



1992 से हैं राजनयिक संबंध

भारत और स्लोवेनिया के बीच राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए थे। ल्यूब्लियाना में भारतीय दूतावास 2007 से कार्यरत है। ऐसे में राजनयिक परिसर को नुकसान पहुंचाने की घटना को भारत ने बेहद गंभीरता से लिया है और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया है।

मंत्रालय ने दूसरे देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से भी सतर्क रहने को कहा क्योंकि ऐसे समूहों द्वारा नफरत फैलाने वाला प्रचार और गलत जानकारी फैलाई जा रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अन्य जगहों पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भी अपील करते हैं कि वे ऐसे समूहों द्वारा फैलाए जा रहे नफरत भरे प्रचार और गलत जानकारी पर ध्यान दें।

बीते माह स्लोवेनिया के विदेश मंत्री से मिले थे नारंग

आपको बता दें कि भारत और स्लोवेनिया इन दिनों अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहनबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी दिशा में स्लोवेनिया में भारत के राजदूत अमित नारंग ने राजनयिक और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए स्लोवेनिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री टोन काइजर से मुलाकात की थी।

भारत ने जोर शोर से उठाया मामला

अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत राजनयिक मिशनों को मिलने वाली सुरक्षा का जिक्र करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत, राजनयिक परिसरों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता और उनकी सुरक्षा की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने नई दिल्ली और ल्यूब्लियाना, दोनों जगहों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के साथ यह मामला जोर-शोर से उठाया है ताकि दोनों देशों को जवाबदेह ठहराया जाए।

असम-अरुणाचल सीमा पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, 8 घायल, 7 गंभीर बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ हुआ विवाद

एजेंसी►गुवाहाटी

असम-अरुणाचल सीमा पर स्थित धेमाजी जिले के मिंगमांग बदती इंटर-स्टेट बॉर्डर पर अरुणाचल प्रदेश के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में 8 असमी गांव वाले घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर है। इस घटनाक्रम से दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई।

उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम में जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद का नतीजा था। बाद में यह टकराव बढ़कर फायरिंग में बदल गया। अधिकारी ने बताया कि बॉर्डर पार से आए बदमाशों ने असम के लोगों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों की पहचान दुर्गेश्वर पातिर, रोहित डोले, नागराज डोले, बिगेश्वर पातिर, पामे पेंगु, संजय तयुंग, उत्पल डोले और जान डोले के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को गोगामुख रूरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, और बाद में उनमें से सात को गंभीर हालत में धेमाजी सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।



सीमा विवाद बना टकराव की वजह

यह नया टकराव असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच दशकों से चली आ रही सीमा की असहमति के बैकग्राउंड में हुआ है। दोनों राज्य बातचीत और सीमांकन के जरिए विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं, लेकिन बॉर्डर के कई इलाके अभी भी सेंसिटिव बने हुए हैं। इस घटना के बाद बॉर्डर एरिया में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक भारतीय चाय किसान के अपहरण से हड़कंप मच गया है। घटना राजगंज ब्लॉक के कुकुजान इलाके की बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान 35 वर्षीय दीपांकर गोप के रूप में हुई है, जो चौलहाटी सीमा गांव के तसर पाड़ा का रहने वाला है। दरअसल, परिवार का आरोप है कि दीपांकर को बांग्लादेशी बदमाशों ने बदले की कार्रवाई के तहत अगवा किया।

लंबी दूरी के ड्रोन के जरिए हमलों को अंजाम दे रहा यूक्रेन

रूस के निजनेकांस्क शहर में ड्रोन हमला, 13 की मौत

एजेंसी►कीव

रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर से युद्ध में तेजी देखने को मिल रही है। रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन की ओर से सोमवार को भीषण हमले किए गए। रूस के निजनेकांस्क शहर में यूक्रेन की ओर से सोमवार को किए गए ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। तातारस्तान क्षेत्र के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन ने हाल के महीनों में लगभग रोज ही लंबी दूरी के ड्रोन के जरिये रूस के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा हुई है, तेल शोधन क्षमता प्रभावित हुई है और आम जनता में चिंता बढ़ी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति

निजनेकांस्क यूक्रेन की सीमा से करीब 1,200 किलोमीटर पूर्व में स्थित

जहां हमला हुआ है वहां की आबादी करीब ढाई लाख

जेलेंस्की ने कहा-माकूल जवाब दिया जा रहा है



निजनेकांस्क शहर में हमले के बाद हुआ धुआं ही धुआं

जेलेंस्की ने रविवार देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम पूरी तरह से उचित जवाब दे रहे हैं और रूस के हर हमले का जवाब दिया जाएगा। रूस के युद्ध का अस्र अब अपने ही घर यानी रूस में अधिक से अधिक महसूस किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस युद्ध के जारी रहने का एकमात्र कारण यह है कि रूस इसे समाप्त नहीं करना चाहता।

तेल शोधन केंद्र को बनाया ड्रोन से निशाना

हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने किस चीज को निशाना बनाया, लेकिन यह शहर रूस का एक अहम तेल शोधन केंद्र है, जहां दो बड़ी रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र मौजूद है।

दोनों पक्षों की बातचीत में शामिल किए गए भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े तमाम मुद्दे

त्रिवेदी की पीएम रहमान संग हुई मुलाकात बांग्लादेश ने दोहराई हसीना के प्रत्यर्पण की मांग

हरिभूमि ब्यूरो►नई दिल्ली

सकारात्मक संबंधों के पक्ष में भारत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पहली वचुंअल प्रेस वार्ता के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में आई तल्खी के बीच एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया है। जिसके बाद तेजी से यह कयास लगाए जाने लगे हैं कि अब दोनों देशों के संबंध एक बार फिर से पटरी पर लौटेंगे।

कारण, बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी द्वारा सोमवार को राजधानी ढाका में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से की गई पहली शिष्टाचार मुलाकात है। जिसमें दोनों पक्षों के बीच गर्मजोशी से भरे वातावरण में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों जैसे सीमा सुरक्षा, सहयोग और गंगा जल संधि को नवीनीकृत करने को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बांग्लादेशी पक्ष की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उम्मान हादी हत्याकांड के आरोपियों की वापसी की मांग की गई है। उधर, इस मुलाकात के बारे में जानकारी देने के लिए दिनेश त्रिवेदी भारत की यात्रा करेंगे।



त्रिवेदी ने की पीएम रहमान की तारीफ

भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए उन्हें जन नेता बताया है। साथ ही यह भी कहा कि जब दो नेता मिलते हैं। तो कई समस्याएं हल हो जाती हैं। मुझे इस बैठक के जरिए भी समस्या के समाधान निकलने की उम्मीद है। पीएम तारिक रहमान जनता से जुड़े हुए नेता हैं। उनकी तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जन नेता हैं।

हसीना की प्रेस वार्ता से कोई संबंध नहीं: भारत

वहीं, इन सबके बीच प्रधानमंत्री तारिक रहमान की 10 अगस्त को बांग्लादेश के गृहमंत्री सलाउद्दीन अहमद से मुलाकात हुई। जबकि इससे ठीक एक दिन पहले रविवार को वह बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मिले थे। इन दोनों मुलाकातों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म रहा कि क्या बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत द्वारा उन्हें बिक्स शिखर सम्मेलन में भागीदारी के लिए भेजे गए निमंत्रण को स्वीकार करेंगे? फिलहाल नई दिल्ली की मेजबानों में होने जा रहे इस आयोजन में रहमान के शामिल होने की ढाका की तरफ से अभी तक आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं की गई है। विदेश मंत्री रहमान ने भी कहा है कि अभी तक यह तय नहीं किया गया है कि प्रधानमंत्री रहमान बिक्स सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि बिक्स के लिए भारत ने आमंत्रण व्यक्तिगत रूप से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के लिए नहीं भेजा था। यह बिस्स्टेक के अध्यक्ष के रूप में भेजा गया था। समूह की अध्यक्षता बांग्लादेश के प्रेस है। बिक्स शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में 12 से 13 सितंबर तक होगा।

नौरतलब है कि शेख हसीना की प्रेस वार्ता के बाद मचे बवाल के बीच भारत ने मामले पर अपना पक्ष साफ कर दिया है। बीते दिनों हुई मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता राशीर जायसवाल ने एक प्रश्न के जवाब में कहा था कि इस कार्यक्रम का आयोजन एक विदेशी मीडिया संस्था द्वारा किया गया। जिसमें भारत या उसकी सरकार का कोई लेना देना नहीं है। न ही हम कार्यक्रम में प्रकट किए जाने वाले विचारों का किसी भी तरह से कोई समर्थन करते हैं।

Dr. Juneja's

पेट सफा

Natural Laxative Granules & Tablets

यदि आप कब्ज, गैस और एसिडिटी से परेशान हैं तो आज ही लीजिए 'पेट सफा' आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स/टेबलेट्स। पेट सफा पहली रात से असर दिखाता है, और इसकी आदत भी नहीं पड़ती।

कब्ज **गैस** **एसिडिटी**

Ayurvedic Proprietary Medicine
No Side Effect
Safe for daily use

पेट सफा

20% EXTRA

TABLETS

पेट सफा

24x7 Helpline: 91197 88888 • www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores